गुरुज्ञान

जो लोग जज्बात छुपाने वाले होते हैं, वो ज्यादा ख्याल करने वाले होते हैं !!

www.tripuritimes.com

# त्रिपुरी टाइम्स

tripuritimes@gmail.com

वर्ष 10 अंक 168

जबलपुर, मंगलवार 15 जुलाई 2025

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

07

## सकारात्मक दिशा में बढ रहे हैं भारत-चीन संबंधः डा. जयशंकर

**बीजिंग/नयी दिल्ली, एजेंसी।** विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और चीन के संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ रहे हैं और अब जरूरी है कि दोनों देश संबंधों के प्रति दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएं तथा सीमा से जुड़े मुद्दों पर भी ध्यान दें। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने चीन गये डा. जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक से पहले अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए और न ही प्रतिस्पर्धा कभी संघर्ष में बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस आधार पर अब हम अपने संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। चीन को एससीओ की सफल अध्यक्षता की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत मंगलवार को होने वाली बैठक में सकारात्मक परिणाम और निर्णय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने का आान करते हुए उन्होंने कहा , हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए यह आवश्यक है कि हम अपने संबंधों के प्रति दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएँ। अक्टूबर 2024 में कजान में हमारे नेताओं की बैठक के बाद से भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमारी ज़िम्मेदारी इस गति को बनाए रखना है। उन्होंने दोनों देशों के बीच नियमित संवाद पर बल देते हुए कहा कि यह दोनों देशों के हित में रहेगा। दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में प्रगति को अच्छा बताते हुए उन्होंने सीमा से संबंधित मुद्दों

के समाधान पर भी ध्यान दिये जाने को कहा । उन्होंने कहा, हमने पिछले नौ महीनों में द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में अच्छी प्रगति की है। यह सीमा पर तनाव के समाधान और वहाँ शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की हमारी क्षमता का परिणाम है। यह पारस्परिक रणनीतिक विश्वास और द्विपक्षीय संबंधों के सुचारू विकास का मूलभूत आधार है। अब यह हमारा दायित्व है कि हम सीमा से संबंधित अन्य पहलुओं, जिनमें तनाव कम करना भी शामिल है, पर ध्यान दें। विदेश मंत्री ने दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधी बाधाओं को दूर करने विस्तार से चर्चा की जरूरत पर भी बल दिया। उन्होंने कहा , हमारे लोगों के बीच आदान-प्रदान को सामान्य बनाने की दिशा में उठाए गए कदम निश्चित रूप से पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ावा दे सकते हैं। इस संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों और बाधाओं से बचा जाए। मुझे आशा है कि इन मुद्दों पर और विस्तार से चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढाने के लिए जरूरी है कि मतभेद विवाद न बनें और प्रतिस्पर्धा संघर्ष का रूप न ले। उन्होंने कहा , भारत और चीन के बीच स्थिर तथा रचनात्मक संबंध न केवल हमारे, बल्कि विश्व के भी हित में हैं। यह पारस्परिक सम्मान, पारस्परिक हित और पारस्परिक संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को संभालने से ही संभव है। हम पहले भी इस बात पर सहमत हुए हैं कि मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए और न ही प्रतिस्पर्धा कभी संघर्ष में बदलनी चाहिए। इस आधार पर, अब हम अपने संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। डा. जयशंकर ने आतंकवाद को साझा चिंता का विषय बताते हुए उम्मीद जतायी कि मंगलवार को होने वाली बैठक में आतंकवाद को कतई न बर्दाश्त करने की नीति को दृढ़ता से कायम रखा जायेगा। उन्होंने कहा , आज की हमारी बैठक में वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी शामिल होगा। कल हम एससीओ के प्रारूप में मिलेंगे, जिसका प्राथमिक उद्देश्य आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद का मुकाबला करना है। यह एक साझा चिंता का विषय है और भारत आशा करता है कि आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति को दृढ़ता से बरकरार रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

## सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सावन के पहले सोमवार को देशभर में शिवभक्तों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही मंदिरों में घंटा-घड़ियाल की ध्वनि और बम-बम भोले और हर हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे। भगवान शिव को समर्पित इस पावन माह के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं ने व्रत, पूजा और जलाभिषेक कर भोलेनाथ का आशीर्वाद मांगा। जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में 151 किलो शुद्ध देसी घी से विशेष अभिषेक किया गया और मंदिर को 3100 किलो आमों से सजाया गया। श्रद्धालुओं के लिए सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित करने वाला होता है। वहीं सावन के पहले सोमवार के दिन देशभर के शिव मंदिरों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस खास दिन शिव भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी करने व्रत और पूजा अनुष्ठान करते हैं। इस अवसर पर देशभर के शिवालयों में भक्तों का सैलाब उमड़ा है। दिल्ली के गौरी शंकर मंदिर में सावन सोमवार को भारी भीड़ उमड़ी और श्रद्धालुओं ने पूजा-पाठ की। इसी तरह गायिजाबाद के दूधेश्वर महादेव मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। तड़के खुले महाकाल के द्वार लखनऊ, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, गाजियाबाद, दिल्ली, उज्जैन, गुवाहाटी समेत देश के प्रमुख शिवालयों में अलसुबह से ही भक्तों का रेला देखने को मिला। उज्जैन में बाबा महाकाल के मंदिर के कपाट तड़के 2.30 बजे ही खोल दिए गए, जहां सावन में करीब 80 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई गई है। हजारों श्रद्धालु तड़के ही बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंच गए।

## करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह को पुलिस ने किया सशर्त रिहा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर और उनके तीन सहयोगी कृष्णा अजय पाल, राहुल भारत तथा नेपाल विक्रम सिंह को सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे एसडीएम कुमार शानू देवड़िया की मौजूदगी में सशर्त रिहा कर दिया गया। प्रशासन ने चारों को जिला सीमा के बाहर छोड़ा और लिखित में लिया कि वे हरदा में किसी आंदोलन या प्रदर्शन में भाग नहीं लेंगे। इस संबंध में मीडिया को तहसीलदार राजेंद्र पंवार के हवाले से बताया गया कि कल रविवार को गिरफ्तार किए गए शेष 56 प्रदर्शनकारियों को भी शाम तक रिहा कर दिया जाएगा। रिहाई के बाद करणी सेना अध्यक्ष शेरपुर ने अपने समर्थकों से अपील की, अभी कोई भी हरदा न आए। आंदोलन चलता रहेगा, लेकिन नई तारीख जल्द तय करेंगे। समझौता नहीं करेंगे। यहां बताते चलें कि रविवार को भोपाल, रतलाम सहित कई शहरों में चक्काजाम और प्रदर्शन हुए थे। पुलिस ने दो दिन में तीन बार लाठीचार्ज, आँसू-गैस व वाटर-कैनन का इस्तेमाल किया था।

## केरल में फिर पैर पसार रहा है निपाह वायरस, एक और शख्स की मौत ने बढ़ाया डर, एक्शन में आई सरकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केरल में निपाह वायरस एक बार फिर से पैर पसार रहा है। 12 जून को केरल के पलक्कड़ में एक शख्स की मौत हुई थी। आशंका है कि इस मौत के पीछे की वजह निपाह वायरस ही था। केरल सरकार ने निपाह वायरल को लेकर निगरानी तेज कर दी है। मृतक शख्स पिछले कुछ समय से बीमार था और पलक्कड़ के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। वहीं, जब उसका सैंपल मैच किया गया तो वो निपाह वायरस से ग्रसित निकला।

### स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी जानकारी

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के अनुसार, जब मृतक शख्स के सैंपल को टेस्टिंग के लिए मंजीरी मेडिकल कॉलेज भेजा गया, तो वो निपाह पॉजिटिव निकला। एब केरल सरकार पुणे में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वीरोलॉजी से कंफर्मेशन का इंतजार कर रही है।

### निपाह से मौत का पहला मामला

बता दें कि केरल में निपाह वायरस से यह दूसरी मौत का मामला सामने आया है। इससे पहले मलप्पुरम का एक शख्स भी निपाह की चपेट में आ गया था। पलक्कड़ के अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था। वहीं, अब निपाह से दूसरी मौत की आशंका में केरल सरकार भी सतर्क हो गई है।

### 6 जिलों में अलर्ट जारी

केरल सरकार ने निपाह वायरस पर निगरानी शुरू कर दी है। इसे फैलने के रोकने के लिए कई बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। मृतक मरीजों के संपर्क में आने वाले 46 लोगों की लिस्ट तैयार की गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री ने 6 जिलों के अस्पतालों में निपाह अलर्ट जारी किया है।

### अस्पतालों को जारी हुई एडवाइजरी

निपाह को फैलने से रोकने के लिए केरल सरकार ने पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझीकोड, कन्नूर, वायनाड और त्रिशूर के अस्पतालों में एडवाइजरी जारी की है। अस्पताल में सभी को मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, निपास वायरस के सबसे अहम लक्षण यानी तेज बुखार होने पर मरीज का तुरंत निपाह टेस्ट करवाना आवश्यक होगा।

### निपाह वायरस

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, निपाह एक जूनोटिक बीमारी है, जो जानवरों से इंसानों और फिर इंसानों से इंसानों में फैलती है। निपाह वायरस से जान गंवाने वाले 2 लोगों के संपर्क में कुल 46 लोग आए थे और यह 46 लोग 543 लोगों के संपर्क में आए थे। इन सभी की कॉन्टैक्ट लिस्ट तैयार कर ली गई है।

## आमों से लदा ट्रक पलटा, नीचे दबकर 9 मजदूरों की मौत,10 लोग घायल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में रविवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। आमों से लदा एक ट्रक पलट गया जिससे 9 मजदूरों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हैं। मृतकों में 5 महिलाएं शामिल हैं। ट्रक चालक इस हादसे में बच गया। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि सामने से आ रही कार से टक्कर से बचने की कोशिश में नियंत्रण खो दिया। रेलवे कोडुरु और तिरुपति जिले के वेंकटगिरी मंडल के 21 दिहाड़ी मजदूर एसुकापल्ली और आसपास के गांवों में आम तोड़ने गए थे। ट्रक आमों के साथ रेलवे कोडुरु बाजार जा रहा था और मजदूर इसके ऊपर बैठे थे। हादसे में मजदूर 30-40 टन आमों के नीचे दब गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से बचाव कार्य शुरू किया।ट्रक और आमों के ढेर के नीचे दबने से 9 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इनकी पहचान गज्जाला दुगैर्या, गज्जाला लक्ष्मी देवी, गज्जाला रमना, गज्जाला श्रीनु, राधा, वेंकट सुब्बम्मा, चित्तेम्मा और सुब्बा रत्नम्मा के रूप में हुई। मुनिचंद्र की मौत राजमपेट के अस्पताल में हुई। घायलों को बेहतर इलाज के लिए कडपा के रिम्स में शिफ्ट किया गया है। परिवहन मंत्री मंडिपल्ली रामप्रसाद रेड्डी और जिला प्रभारी मंत्री बीसी जनार्दन रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी शोक व्यक्त करते हुए घायलों के लिए बेहतर इलाज और मृतकों के परिवारों के लिए सहायता की मांग की।

## अमेरिका में आएगा विनाशकारी भूकंप, 100 फीट ऊंची उठेगी सुनामी!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका के ऊपर बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा है। यह खतरा किसी देश या आतंकवादी संगठन से नहीं, बल्कि प्राकृतिक है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि निकट भविष्य में अमेरिका में सुनामी आ सकती है। एक अध्ययन में पाया गया है कि अमेरिका के कैस्केडिया सबडक्शन जोन में साल 2100 तक एक विनाशकारी भूकंप आना तय है। आने वाले 50 सालों में कभी यह आ सकता है, जिसकी 37 फीसदी संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने 100 फीट ऊंची सुनामी आने की चेतावनी दी है जो पश्चिमी तट के अधिकांश हिस्से को तबाह कर देगी। कैस्केडिया सबडक्शन जोन उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट से करीब 1100 किलोमीटर लंबी भ्रंश रेखा है, जहां टेक्टोनिक प्लेट, हुआन डे फूका प्लेट, दूसरी टेक्टोनिक प्लेट, उत्तरी अमेरिकी प्लेट के नीचे खिसकती है। यह कनाडा के उत्तरी वैंकूवर द्वीप से लेकर अमेरिका के पश्चिमी तट के दक्षिणी आधे हिस्से तक फैली है, जो वॉशिंगटन, ओरेगन और कैलिफोर्निया के तटों के साथ-साथ चलती है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगर 8.0 से 9.0 तीव्रता का भूकंप आया तो 100 फीट ऊंची सुनाती लहरें उठेंगी, जो पश्चिमी तट के अधिकांश हिस्से को तबाह कर देंगी। इसके तटरेखा तुरंत करीब 8 फीट नीचे धंस जाएगी। अनुमान है कि अकेले सीएसजे भूकंप से 5800 मौतें होंगी। वहीं, इसके चलते आने वाली सुनामी के कारण 8000 और लोग मारे जाएंगे। शोधकताओं की अंतरराष्ट्रीय टीम ने कहा कि बढ़ते समुद्र स्तर के कारण ये भविष्यवाणियां समय के साथ और भी बदतर होती जाएंगी।

## अमेरिका में खालिस्तानियों के पास मिला अवैध हथियारों का जखीरा, जांच में जुटी पुलिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका में रह रहे खालिस्तानी अब वहां की कानून व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी कर रहे हैं। आए दिन धार्मिक स्थलों पर तोड़फोड़ और भारत विरोधी गतिविधियों के चलते कई बार स्थानीय लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। खालिस्तानियों की अवैध गतिविधियों की सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर आधा दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है और तलाशी में भारी मात्रा में अवैध हथियार मिले हैं। अभियान में सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने स्टॉकटन पुलिस विभाग स्वाट, मैनटेका पुलिस विभाग स्वाट, स्टैनिस्लॉस काउंटी शेरिफ स्वाट और एफबीआई स्वाट टीम के साथ मिलकर कई अवैध हथियार जब्त किए। इनमें 5 हैंडगन, एक असॉल्ट राइफल, सैकड़ों गोलियां, हाई-कैपेसिटी मैगजीन और 15,000 डॉलर (लगभग 13 लाख रुपये) से अधिक नकदी शामिल है। गिरफ्तार व्यक्तियों पर अपहरण, यातना, गैरकानूनी कारावास, सेमी-ऑटोमैटिक हथियार से हमला, आपराधिक साजिश और गैंग एक्ट के तहत उल्लंघन जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मशीन गन, असॉल्ट हथियार और हाई-कैपेसिटी मैगजीन के अवैध कब्जे के आरोप भी शामिल हैं। अमेरिका में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और दूसरी टीमों ने खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क से जुड़े 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें भारत में वांछित और प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल का प्रमुख सदस्य पवित्तर सिंह बटाला भी शामिल है। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट में गिरफ्तार लोगों के नाम जारी किए, जिनमें दिलप्रीत सिंह, अर्शप्रीत सिंह, अमृतपाल सिंह, विशाल, पवित्तर सिंह बटाला, गुरताज सिंह, मनप्रीत रंधावा और सरबजीत सिंह शामिल हैं। शेरिफ ऑफिस ने गिरफ्तारी का वीडियो भी साझा किया, जिसमें बटाला को मुख्य संदिग्ध बताया गया। पवित्तर सिंह बटाला भारत में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से आतंकी गतिविधियों के लिए वांटेड है। वह पंजाब में उगाही, हथियार तस्करी और हत्या जैसे कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। लगभग छह महीने पहले उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। वह अमृतसर पुलिस जिले में 6 और बटाला पुलिस जिले में 2 मामलों में वांछित है। बटाला खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह रोडे के साथ मिलकर काम कर रहा था। यह गिरफ्तारी एक गैंग से संबंधित अपहरण और यातना मामले की चल रही जांच का हिस्सा है, जिसके तहत 11 जुलाई को सैन जोकिन काउंटी में 5 सर्च वारंट जारी हुए थे।

## क्या होगा कोई नहीं जानता पर, यमन में निमिषा प्रिया को फांसी के सिर्फ दो दिन शेष

नई दिल्ली, एजेंसी। यमन में फांसी की सजा पा चुकी केरल की नर्स निमिषा को फांसी में अब दो ही दिन का समय बाकी है। उसे 16 जुलाई को फांसी दी जानी है। निमिषा प्रिया के ऊपर आरोप है कि उसने साल 2017 में अपने यमनी बिजनेस पार्टनर तलाल आब्दो की हत्या कर दी थी। इसको लेकर वहां पर उसे फांसी की सजा सुनाई गई है। निमिषा को बचाने के लिए उसका परिवार एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए है। सना की अधीनस्थ अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई है। उसने इस फैसले को यमन की सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी, लेकिन उसकी अपील खारिज कर दी गई और मौत की सजा बरकरार रखी गई। सूत्रों ने बताया कि निमिषा ने फिर यमन के राष्ट्रपति से दया की अपील की, लेकिन उन्होंने उसे माफी देने से इनकार कर दिया। बताया जाता है कि मृतक तलाल अब्दो मेहदी का परिवार हत्या के अपराध को माफ करने के बदले पैसा (ब्लड मनी) लेने को भी तैयार नहीं है। निमिषा प्रिया के लिए सभी कानूनी प्रयास किए गए, लेकिन उसके खिलाफ आरोप इतने गंभीर थे कि सभी प्रयास विफल रहे।केरल की रहने वाली नर्स निमिषा प्रिया केस में सुप्रीम कोर्ट आज याचिका पर सुनवाई करेगी। इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र सरकार को भारतीय नर्स को बचाने के लिए राजनयिक माध्यमों का इस्तेमाल करने का निर्देश दे। निमिषा के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट इस बात पर विचार करेगा कि निमिषा को फांसी से बचाने के लिए यमन के पीड़ित परिवार को ब्लड मनीदेने का क्या विकल्प है। याचिका में तर्क दिया गया है कि यमन में शरिया कानून के तहत ब्लड मनीका प्रावधान स्वीकार्य है। अनुमान है कि जस्टिस विक्रम सेठ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। एडवोकेट सुभाष चंद्रा केआर ने निमिषा केस में यह याचिका दायर की है।

## छांगुर बाबा का कुबूलनामा: अंतरराष्ट्रीय गिरोह के नेटवर्क की कमान संभालती थी नसरीन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अवैध धर्मांतरण के मामले में धरे गए छांगुर बाबा ने अपनी करतूतों को कबूल लिया है। उन्होंने कबूला है कि दुबई और नेपाल में उसके गिरोह का सबसे ज्यादा नेटवर्क है। यहां की कमान नीतू उर्फ नसरीन ही संभाल रही थी। यहां से आने वाली रकम व संस्थाओं को सहयोग के लिए मददगार नीतू से ही सम्पर्क करते थे। रिमाण्ड अवधि के चौथे दिन एटीएस अफसरों से ऐसा ही छांगुर बाबा ने कहा। रविवार को भी सबसे ज्यादा सवाल विदेशी फंडिंग को लेकर हुए। एटीएस ने जब पूछा कि दोनों व गिरोह के अन्य सदस्यों के कितने खाते कहां-कहां खुले हुए हैं। इस पर दोनों के विरोधाभासी जवाब थे। छांगुर ने कहा कि उसे सिर्फ अपने खाते के बारे में पता है। वहीं नीतू ने कहा कि छांगुर ही सारे खाते का हिसाब रखता था। वह अपने नाम से खुले आठ खातों के बारे में ही जानती है। उसके इन खातों में तीन अलग-अलग संस्थाओं के नाम से हैं। एटीएस ने धर्मांतरण से जुड़े कई सवाल किए। बताया जाता है कि एटीएस इन दोनों को आजमगढ़ व श्रावस्ती भी ले जा सकती है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक जैसे ही उससे धर्मांतरण के बारे में पूछा जाता है, वह एक ही रट लगाता है कि उसने एक भी अवैध धर्मांतरण नहीं कराया। सबने अपनी मर्जी से ही इस्लाम धर्म कुबूल किया। सालाना उर्स की बात पर उसने कहा कि सब कुछ सबके सामने होता था। दरगाह के पास सालाना उर्स में हर धर्म के लोग आते थे। जब उससे रुपये देकर इस्लाम धर्म कुबूलवाने की बात कही तो वह गोलमोल जवाब देने लगा। उसके सामने ही नीतू से पूछा गया कि रकम कहां-कहां खर्च करती थी। इस पर उसने छांगुर बाबा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि ये ही तय करते थे कितनी रकम कहां खर्च की जानी थी। एटीएस रिमाण्ड पर पूछताछ के दौरान दोनों के गोलमोल जवाब देने पर वह सख्त भी हुई।

# वैश्विक टेक्सटाइल हब के रूप में मध्यप्रदेश को स्थापित करने की दिशा में अहम पहल

भोपाल। दुबई दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टेक्सटाइल मर्चेंट्स ग्रुप (TEXMAS) के मुख्यालय का भ्रमण किया और दुबई के प्रमुख कपड़ा व्यापारियों से मुलाकात कर उद्योग एवं निवेश से जुड़े अनेक विषयों पर चर्चा की। इस उच्च स्तरीय संवाद का उद्देश्य भारत-यूएई समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के तहत कपड़ा क्षेत्र में व्यापार, नवाचार और निवेश के अवसरों को सशक्त बनाना है। टेक्समास की स्थापना 1990 में दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संरक्षण में हुई थी। यह दुबई के टेक्सटाइल री-एक्सपोर्ट हब के रूप में विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है। चेयरमैन श्री नासिर अखून, वाइस चेयरमैन श्री विनोद नागदा, और अन्य भारतीय मूल के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने उएढअ के तहत द्विपक्षीय व्यापार को गति देने पर सहमति जताई।

## मध्यप्रदेश: टेक्सटाइल निवेश का अगला गंतव्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टेक्समास के प्रतिनिधियों को बताया कि मध्यप्रदेश देश के प्रमुख वस्त्र उत्पादन राज्यों में से एक है। यहां पीएम मित्रा पार्क (धार) जैसे अत्याधुनिक टेक्सटाइल क्लस्टर वैश्विक निवेशकों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य की नई औद्योगिक नीति 2025 के तहत भूमि, पूंजीगत अनुदान, SGST प्रतिपूर्ति और श्रम सुविधा जैसे प्रावधानों से अवगत कराया। टेक्समास द्वारा अपनाए जा रहे ई-कॉमर्स, RFID इन्वेंट्री और डिजिटल लॉजिस्टिक्स समाधानों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और इंडस्ट्री 4.0 को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस क्षेत्र में तकनीकी सहयोग हेतु यूएई कंपनियों को आमंत्रित किया।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव का टेक्समास मुख्यालय दौरा

## हरित वस्त्र एवं सतत उत्पादन पर विशेष ध्यान

बैठक में टेक्समास द्वारा एव/वर मानकों के अनुरूप हरित वस्त्र उत्पादन और लॉजिस्टिक्स में ग्रीन इनिशिएटिव्स पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश हरित टेक्सटाइल और जैविक कॉटन जैसे क्षेत्रों में तेजी से उभर रहा है।

**I2U2 साझेदारियों के लिए तैयार मध्यप्रदेश**

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश I2U2 (इंडिया, इजराइल, यूएई, यूएसए) के फोकस क्षेत्रों–क्लीन टेक, फूड लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक नवाचार में निवेश हेतु तैयार है। उन्होंने पायलट प्रोजेक्ट्स के लिए टेक्समास जैसी संस्थाओं को आमंत्रित किया।

## टेक्सटाइल में युवा उद्यमियों के लिए अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार नई पीढ़ी के टेक्सटाइल उद्यमियों को प्रशिक्षण, लाइसेंसिंग मार्गदर्शन और पूंजीगत समर्थन देने के लिए एक विशेष स्टार्टअप पॉलिसी लागू कर रही है। उन्होंने ळएटअर से युवा उद्यमियों के साथ जुड़ने और इ2इ संवाद आयोजित करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह पहल सिर्फ निवेश प्रोत्साहन नहीं, बल्कि भारत-यूएई टेक्सटाइल व्यापार संबंधों को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। टेक्समास जैसे वैश्विक संगठनों से सहयोग प्राप्त कर मध्यप्रदेश को कपड़ा उद्योग में वैश्विक हब बनाने की राज्य सरकार की योजना अब वास्तविकता की ओर बढ़ रही है।

## मध्यप्रदेश बनेगा एविएशन और लॉजिस्टिक हब

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई यात्रा के दौरान एमिरेट्स एयरलाइंस और दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी के चेयरमैन शेख अहमद बिन सईद अल मकतूम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक मध्यप्रदेश और यूएई के बीच उड्डयन संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम पड़ाव साबित हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एयर एंबुलेंस फ्लाइट सेक्टर में अच्छी संभावना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्ग दर्शन में मध्यप्रदेश एविएशन में जो काम कर रहा है उसमें भी दुबई सहयोग देने को तैयार है।

**क्षेत्रीय कार्गो हब के प्रस्ताव पर बनी सहमति :** बैठक में मुख्य रूप से इंदौर और भोपाल शहरों से दुबई के लिए सीधी विमान सेवाएं शुरू करने पर चर्चा हुई। मध्य भारत में एक क्षेत्रीय कार्गो हब स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। एविएशन ट्रेनिंग और टफ्ड (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल) इन्फ्रास्ट्रक्चर में संयुक्त निवेश एवं प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना को लेकर भी सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। प्रदेश में इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा देने और एमिरेट्स एविएशन अकादमी के कैंपस की स्थापना की संभावना पर भी गंभीर चर्चा की हुई। मध्यप्रदेश को भारत का एक प्रमुख एविएशन और लॉजिस्टिक्स हब बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो राज्य के आर्थिक और औद्योगिक विकास में नई उड़ान भरेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक के बाद दुबई में मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि आज सुबह से निवेशकों और उद्योगपतियों के साथ अलग-

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई में JITO प्रतिनिधियों से किया संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई प्रवास के दूसरे दिन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधियों के साथ निवेश और सहयोग को लेकर व्यापक चर्चा की।

**स्किलिंग, नवकरणीय ऊर्जा, टेक्नोलॉजी व संयुक्त निवेश फोरम की संभावनाओं पर चर्चा**

उन्होंने मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश, स्किलिंग और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के सरकार के विजन को साझा किया और खक्ळड समुदाय को प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आज लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी, स्थायित्व, दक्ष मानव संसाधन और अनुकूल औद्योगिक नीतियों के कारण निवेश के लिए देश का सर्वाधिक उपयुक्त राज्य बन चुका है। सरकार निवेशकों को न केवल आकर्षित कर रही है, बल्कि जमीन आवंटन से लेकर परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक सक्रिय सहयोगी की भूमिका भी निभा रही है। बैठक के दौरान मध्यप्रदेश और JITO के बीच संभावित सहयोग के अनेक बिंदु पर चर्चा हुई जिनमें दुबई में एक वार्षिक 'टढ-खक्ळड निवेश फोरम' की स्थापना करने पर भी विचार किया गया। इस फोरम के माध्यम से मध्यप्रदेश की लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक पार्क, इलेक्ट्रिक वाहन, फूड प्रोसेसिंग और सेमीकंडक्टर जैसी प्रमुख परियोजनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर JITO प्रतिनिधियों को आगामी निवेश फोरम के आयोजन का आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य की नवीन लॉजिस्टिक्स नीति न केवल निर्यातकों को प्रोत्साहित करती है, बल्कि अधोसंरचना डेवलपर्स के लिए भी अनेक प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खक्ळड से जुड़े टेक्सटाइल और फूड सेक्टर के कॉरपोरेट्स को उज्जैन, मंदसौर और बसई जैसे क्षेत्रों में ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुझाव दिया कि दुबई स्थित कौशल विकास संस्थान मध्यप्रदेश के ग्लोबल स्किल पार्क के साथ मिलकर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करे, जिससे उद्योगों को कुशल मानव संसाधन मिल सके।

## भारतीय दूतावास स्तर पर स्थाई संपर्क तंत्र विकसित करने पर सहमति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के तीन दिवसीय दुबई दौरे के दूसरे दिन की शुरूआत भारतीय कॉउन्सल जनरल श्री सतीश कुमार सिवन द्वारा आयोजित ब्रेकफास्ट ब्रीफिंग से हुई। बैठक में भारतीय दूतावास स्तर पर एक स्थाई संपर्क तंत्र विकासित किये जाने पर सहमति बनी जिससे मध्यप्रदेश और यूएई के बीच संस्थागत संवाद के निरंतरता बने रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की छवि ब्रांड इंडिया के अंतर्गत वैश्विक स्तर पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करने में भारतीय मिशन की निर्णयाक भूमिका हो सकती है। ताज बिजनेस बे स्थित बॉम्बे ब्रैसरी में इस मुलाकात में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को यूएई में भारत की विभिन्न गतिविधियों और संभावित सहयोग क्षेत्रों की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान जिन विषयों पर प्रमुखता से चर्चा हुई, उनमें मध्यप्रदेश प्रवासी व्यवसायियों को निवेश के लिए प्रेरित करने के विशेष प्रयास, दुबई-

मध्यप्रदेश के बीच सांस्कृतिक एवं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की संभावनाएं और दुबई में ह्लएमपी डेह्ल आयोजित करने के लिए भारतीय मिशन की भागीदारी जैसे अहम विषय शामिल रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने औद्योगिक, अधोसंरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि दुबई के प्रमुख औद्योगिक समूहों से मध्यप्रदेश उद्योग विभाग के सीधे संपर्क के लिए मिशन स्तर पर समन्वय किया जाएगा। साथ ही कृषि, टेक्सटाइल, ईवी, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे प्राथमिक क्षेत्रों में कॉन्सुलेट की अगुवाई में सेक्टर-विशेष राउंडटेबल आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन सभी प्रस्तावों को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ लिया। कॉउन्सल जनरल श्री सिवन ने जानकारी दी कि दुबई में कार्यरत मध्यप्रदेश मूल के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम से जुड़े व्यवसायियों की पहचान कर उन्हें प्रदेश सरकार की अनुकूल नीतियों से जोड़ा जा सकता है। तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी सहयोग की संभावनाएं रेखांकित की गईं, जिसमें विशेष रूप से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और सौर ऊर्जा से जुड़ी संस्थाएँ शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन सभी प्रस्तावों को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ लिया और कहा कि मध्यप्रदेश की छवि को ब्रांड इंडिया के अंतर्गत वैश्विक स्तर पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करने में भारतीय मिशन की भूमिका निर्णायक हो सकती है। ब्रीफिंग के दौरान अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय दुबे, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेंद्र सिंह, प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला, सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# भोपाल में टैक्सी यूनियन की हड़ताल का मिला-जुला असर

## 500 टैक्सी बंद, ई-रिक्शा-ऑटो चालकों ने वसूला मनमाना किराया

**भोपाल।** राजधानी में टैक्सी यूनियन की हड़ताल का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। यूनियन ने भले ही 2500 टैक्सियों के पहिए थमने का दावा किया था, लेकिन जमीनी हालात कुछ और है। जानकारी के मुताबिक अब तक 400 से 500 टैक्सियां ही हड़ताल में शामिल हुई हैं, जबकि बाकी टैक्सियां सड़कों पर नजर आ रही हैं या फिर ऐप आधारित सेवा में सक्रिय हैं। जिन यात्रियों को टैक्सी नहीं मिल रही हैं, उन्होंने ई-रिक्शा और कुछेक खुले ऑटो का सहारा लिया, लेकिन इन चालकों ने मौके का फायदा उठाते हुए 2 से 3 गुना ज्यादा किराया वसूलना शुरू कर दिया है।

**भोपाल स्टेशन पर 40 की जगह वसूले 80 रुपए :** भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्री मोहम्मद जावेद ने बताया कि वह जुमराती बाजार से स्टेशन पहुंचे हैं और उनसे 80 रुपए किराया वसूला गया है। जबकि आम दिनों में यह सफर 35 से 40 रुपए में पूरा हो जाता है।

**अंबेडकर मैदान में जुटे टैक्सी चालक, 250 से ज्यादा गाड़ियां खड़ीं :** इधर, अंबेडकर जयंती पार्क में हड़ताल के समर्थन में टैक्सी चालकों और यूनियन पदाधिकारियों का जमावड़ा जारी है। दोपहर तक यहां 250 से 300 टैक्सियां खड़ी हो चुकी थीं। यूनियन पदाधिकारी मंच से सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं और मांगों को दोहराया जा रहे हैं।

**यात्रियों की जेब पर असर, प्रशासन नदारद :** टैक्सियां बंद होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, खासतौर पर स्टेशन, एयरपोर्ट और बस स्टैंड पर। उन्हें साधन तो मिल रहा है, पर किराया अधिक देना पड़ रहा है। किराए में बढ़ोतरी को लेकर किसी तरह की प्रशासनिक निगरानी नजर नहीं आई।

**शांतिपूर्ण रहेगा प्रदर्शन, पुलिस से ली गई अनुमति :** यूनियन के राष्ट्रीय सचिव नफीसउद्दीन ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन राजधानी सहित प्रदेशभर के टैक्सी चालकों की उपेक्षा और शोषण के खिलाफ है। प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और इसके लिए पुलिस प्रशासन से विधिवत अनुमति ली गई है।यूनियन ने शहरभर में पोस्टर और पंपलेट लगाकर आमजन को अलर्ट किया है। 11 बजे से 5 बजे तक हम अंबेडकर मैदान में धरना देंगे।

# गेहूं बेचने के बाद 80 किसानों को नहीं मिला भुगतान

## 2 करोड़ से ज्यादा की राशि अटकी, बोले- समाधान नहीं हुआ तो नहीं कर पाएंगे अगली फसल की बुआई

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले की चौरई कृषि उपज मंडी में एक व्यापारी द्वारा 80 किसानों से गेहूं खरीदकर भुगतान न करने का मामला सामने आया है। ग्राम चौरई निवासी प्रिंश जैन, जो ज्ञाता श्री ट्रेडर्स के नाम से व्यापार करता है, ने इन किसानों से करीब 2 करोड़ रुपए का गेहूं खरीदा, लेकिन अब तक किसी भी किसान को भुगतान नहीं किया गया है। इससे किसानों में आक्रोश है और वे लगातार मंडी समिति व प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं। किसान अनिरुद्ध बघेल ने बताया कि उन्होंने 15 और 22 अप्रैल को कुल 388 क्विंटल गेहूं बेचा था, जिसकी कीमत करीब 9.90 लाख रुपए थी। वहीं किसान इंद्रकुमार सनोडिया ने 111 क्विंटल गेहूं लगभग 2.5 लाख रुपए में बेचा था। दोनों को एक हफ्ते में भुगतान का आश्वासन मिला था, लेकिन महीनों बीतने के बावजूद पैसे नहीं मिले।

**कुल बकाया 1.83 करोड़ से ज्यादा :** यह मामला सिर्फ दो किसानों का नहीं है। चौरई व आसपास के 78 अन्य किसानों ने भी प्रिंश जैन को गेहूं बेचा, लेकिन किसी को भुगतान नहीं किया गया। सभी किसानों की कुल बकाया राशि करीब 1.83 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

**किसान थानों और अफसरों के चक्कर काट रहे :** किसानों ने कई बार चौरई थाने में शिकायत की है। साथ ही चौरई रऊट और संयुक्त कलेक्टर अंकिता त्रिपाठी को तीन बार आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस जांच या कार्रवाई नहीं की गई है। किसान मंडी समिति से भी मदद की मांग कर चुके हैं।

**भविष्य की फसल पर संकट :** किसानों का कहना है कि अगर समय रहते उन्हें भुगतान नहीं मिला तो वे अगली फसल की बुआई नहीं कर पाएंगे। यह उनके लिए भारी आर्थिक संकट का कारण बन सकता है और पूरे क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर असर डालेगा।

**प्रशासन से मांग :** किसानों ने जिला प्रशासन और न्यायालय से मांग की है कि ज्ञाता श्री ट्रेडर्स और प्रिंश जैन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और जल्द से जल्द उन्हें उनकी फसल की राशि दिलाई जाए। किसानों ने संबंधित विक्रय बिल और दस्तावेज भी अधिकारियों को सौंप दिए हैं।

# यूरिया की किल्लत पर कृषि विभाग का जवाब

## बैतूल में 58 हजार टन यूरिया उपलब्ध; एक सप्ताह में 8 हजार टन और आएगा

**बैतूल।** बैतूल में यूरिया की कमी को लेकर कांग्रेस की चेतावनी के बाद कृषि विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है। विभाग के अनुसार जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है। जिले में मक्का का क्षेत्र इस वर्ष बढ़कर 2 लाख 45 हजार 200 हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल 2 लाख 11 हजार 235 हेक्टेयर था। क्षेत्र में वृद्धि के कारण यूरिया की मांग बढ़ी है। जिले का यूरिया भंडारण लक्ष्य 60 हजार से बढ़ाकर 70 हजार मीट्रिक टन किया जा रहा है। कृषि विभाग के अनुसार अब तक जिले में 58 हजार 186 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध कराया गया है। इसमें से 52 हजार 570 मीट्रिक टन किसानों को वितरित किया जा चुका है। वर्तमान में सहकारी समितियों में 1 हजार 43 मीट्रिक टन और निजी विक्रेताओं के पास 435.68 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है।

# छिंदवाड़ा में 4 दिन बाद खत्म हुई बसों की हड़ताल:आज से सभी रूटों पर चलेंगी बस

**छिंदवाड़ा।** बस एसोसिएशन और जिला प्रशासन के बीच लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध को समाप्त करने के लिए सांसद विवेक बंटी साहू ने मध्यस्थता की। उन्होंने शुक्रवार को बस यूनियन, ट्रैफिक पुलिस, आरटीओ और कलेक्टर के साथ बैठक कर मामले का समाधान निकालने की दिशा में पहल की, जिसके बाद हड़ताल वापस लेने का निर्णय हुआ। बता दें कि पिछले दो महीने से ट्रैफिक पुलिस बस स्टॉपेज को लेकर लगातार चालानी कार्रवाई कर रहे थे, जिसके विरोध में जिले सहित बैतूल, पांढुरना, सिवनी, नरसिंहपुर, जबलपुर, बालाघाट, भोपाल और नागपुर मार्गों की बसें पूरी तरह बंद कर दी गई थीं। चार दिनों से बस संचालन पूरी तरह ठप होने के चलते ग्रामीण और शहरी यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बस यूनियन के पदाधिकारियों का कहना था कि जिले में निर्धारित बस स्टॉपेज न होने के बावजूद चालान किया जा रहा है, जिससे ऑपरेटरों में भारी असंतोष था। मामले पर कई बार प्रशासन से चर्चा हुई लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया था।

**दो दिन के अंदर समाधान निकालने का आश्वासन :** इस बीच, सांसद विवेक बंटी साहू ने सामने आकर जिम्मेदारी लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों और यूनियन के प्रतिनिधियों के बीच सामंजस्य स्थापित किया। उन्होंने कहा कि आम जनता को हो रही परेशानियों को देखते हुए ये जरूरी था कि सभी पक्ष बैठकर रास्ता निकालें। उन्होंने प्रशासन को दो दिन के अंदर नियम अनुसार समाधान निकालने का आश्वासन भी दिया।

**आज से जिले सहित सभी प्रमुख मार्गों पर शुरू होगा संचालन :** बस एसोसिएशन ने हड़ताल खत्म करने के फैसले के साथ ही सांसद साहू का आभार जताया। साथ ही सभी मीडिया प्रतिनिधियों, जिले और आसपास के रूट्स के बस संचालकों, प्रदेश संगठन और आमजन का भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस विरोध को सफल बनाया और समस्या का शांतिपूर्ण समाधान निकाला।

# एसआई को वाहन ने टक्कर मारी, मौत

**रायसेन।** रायसेन जिले में नेशनल हाईवे-45 पर रविवार-सोमवार की दरमियानी रात दर्दनाक हादसा हो गया। गाडरबारा में पदस्थ सब इंस्पेक्टर नीलेश बड़कुर (उम्र लगभग 35 वर्ष) की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हादसा रायसेन जिले के बरेली क्षेत्र के ग्राम बटेरा के पास हुआ। सब इंस्पेक्टर नीलेश बरेली के बटेरा गांव में अपने घर जाने के लिए लिफ्ट लेने खड़े थे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बरेली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बरेली सिविल अस्पताल भिजवाया गया। जहां फिलहाल पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है।

# कचनार सिटी सड़क का निर्माण कार्य शुरू: महापौर

## जनसमस्याओं का महापौर ने कार्यालय में बैठकर लगातार कर रहे हैं निराकरण

### महापौर ने अधिकारियों कर्मचारियों के हितों में भी निर्णय लेने स्थापना विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

महापौर जगत बहादुर सिंह ह्यह्यअन्नूह्लह्ल नियमित रूप से अपने कार्यालय में उपस्थित होकर महापौर कार्यालय आने वाले संस्कारधानी के आम नागरिकों से सीधे मुलाकात कर अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान भी करवा रहे हैं। इसी क्रम में आज भी तकरीबन दोपहर 12:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक 5 घंटे वे लगातार अपने कार्यालय में आम नागरिकों की समस्याएँ सुनी और संबंधित सभी अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर समाधान भी कराते गए।

इस दौरान महापौर श्री अन्नू ने 5 घंटे की मैराथन बैठक में लगभग 500 से अधिक नागरिकों से सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण के लिए संबंधित लोककर्म, स्वास्थ्य एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। इसी प्रकार अधिकारियों और कर्मचारियों की भी समस्याओं को सुना और स्थापना शाखा के अधिकारियों को समस्या का निराकरण करने निर्देशित किया।

महापौर कार्यालय में अपनी समस्याओं को लेकर पहुँचे बहुत से नागरिकों को महापौर श्री अन्नू की पहल पर तत्काल राहत मिलने से सुखद अनुभव हुआ और वे खुश होकर वापिस रवाना हुए। जो समस्याएँ तत्काल निराकृत नहीं हुई उन्हें आगामी तय समय सीमा में पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर महापौर ने व्यक्तिगत रूप से भी जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता प्रदान की। मैराथन बैठक के दौरान महापौर श्री अन्नू ने बताया कि मॉडल रोड़ की तरह विजय नगर स्थित कचनार सिटी मार्ग का भी उच्चगुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य शुरू कराया गया है, जो शीघ्र ही पूर्ण कराकर शहर के नागरिकों को आवागमन के लिए समर्पित की जायेगी।

# एसपी साहब अवमानना याचिका वापस लेने दबाव बनवा रहे सीएमएचओ

## मेरी जान को खतरा है, गुंडे भेजे जा रहे हैं मेरे घर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सोमवार को पुलिस अधीक्षक के पास गुहार लगाने पहुंचे नरेन्द्र कुमार राकेशिया ने डॉ. संजय कुमार मिश्रा, हाल में जबलपुर के इंचार्ज सीएमएचओ और इंचार्ज क्षेत्रिय संचालक लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा किडॉक्टर मिश्रा मेरे ऊपर विभिन्न माध्यमों से अवमानना याचिका वापस लेने दवाब बना रहे हैं। मेरी जान को खतरा है मेरे घर में गुंडे भिजवा रहे हैं। गौरतलब है कि डॉ मिश्रा के कदाचरण हेतु उनके खिलाफ कार्यवाही करने के संबंध में आवेदक नरेन्द्र कुमार राकेशिया द्वारा पूर्व में लोकायुक्त को 19 जुलाई 2024 तथा 30 अगस्त 2024 को शिकायत की गई थी। उक्त शिकायत पर कोई कार्यवाही न होने पर उच्च न्यायालय में रिट याचिका 14372/2025 दायर की थी। जिसमें दिनांक 28 अप्रैल को न्यायालय ने लोकायुक्त को जांच का आदेश दिया था। लेकिन समय पर कार्यवाही न होने से मेरे दवारा उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका क्रमांक 3752/2025 दायर की जिसमें 04 जुलाई 2025 को न्यायालय ?द्वारा लोकायुक्त को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त श्री राकेसिया द्वारा अनेक अस्पतालों में अग्निशमन व्यवस्था व भवन पूर्णता प्रमाणपत्र आदि न होने पर भी अस्पताल संचालन संबंधी अनुमति देने संबंधी शिकायतें की हैं।

# अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी

## ठेले, टपरे एवं अन्य सामग्रियॉ की जप्त

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के आदेशानुसार शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। शहर में जहॉ-जहॉ भी अतिक्रमण हुए हैं और यातायात बाधित हो रहा है इस बात को दृष्टिगत रखते हुए लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अतिक्रमण शाखा के अधिकारियों एवं सभी दल प्रभारियों द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आज भी की गयी। इस संबंध में सहायक अतिक्रमण अधिकारी अखिलेश सिंह भदोरिया ने बताया कि आज गोल बाजार में आसपास, कछपुरा जोन ऑफिस के सामने दीवार हटाई गई, एकता चौक से अहिंसा चौक, एस.बी.आई. चौक, दीनदयाल चौक होते हुए अधारताल, धनी की कुटिया, छोटी लाइन में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई और सी.एम. हेल्पलाइन, जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निराकरण भी किया गया। इसके साथ-साथ मुनादी भी कराई गई कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया जाता है तो दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार रहेगें। कार्यवाही के समय दल प्रभारी बृजकिशोर तिवारी, अंकित पारस, लक्ष्मण कोरी, दुर्गा राव, पी रामा राव, अभिषेक समुद्रे, वीरेंद्र मिश्रा, जय प्रवीण आदि उपस्थित रहे।

## राजस्व अधिकारियों की बैठक संपन्न

**जबलपुर।** कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आज राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर सुमिशा सिंह व नाथूराम गोंड सहित सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे। बैठक में उन्होंने मुख्य रूप से प्रशासनिक सुविधा के लिए तहसील कार्यालयों में कार्यभार के संबंध में विस्तृत चर्चा कर कहा कि ऐसा सिस्टम बनायें कि न्यायालयीन व गैर न्यायालयीन कार्य के लिए अलग-अलग तहसीलदार रहें, जिससे तहसील न्यायालय का कार्य व गैर न्यायालयीन कार्य सुचारू रूप से चल सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राजस्व अभिलेखों के डिजीटाइजेशन के कार्य करने के लिए निर्देशित किया।

# संस्कार कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन, पुलिस एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्रावण मास के दूसरे सोमवार 21 जुलाई को ग्वारीघाट से कैलाशधाम मटामर तक निकाली जाने वाली संस्कार कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, साफ-सफाई और यातायात व्यवस्था पर चर्चा करने जिला प्रशासन, पुलिस एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक आज सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम में संपन्न हुई। महापौर एवं आयोजन समिति के संरक्षक श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू की उपस्थिति में संपन्न हुई इस बैठक में कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्?याय, अपर कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक गहलोत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी एवं सूर्यकांत शर्मा तथा आयोजन समिति की ओर से शिव यादव, नीलेश रावल आदि मौजूद थे। बैठक में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने यात्रा की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक में बताया गया कि इस बार कांवड़ यात्रा में हजारों कांवडियों के शामिल होने का अनुमान है। वहीं यात्रा के समापन स्थल मटामर स्थित कैलाश धाम पहाड़ी पर श्रद्धालु भी इससे जुड़ जायेंगे यह संख्या दो से ढाई गुना हो जाने की संभावना है। संस्कार कांवड़ यात्रा आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने प्रशासन से कांवड़ यात्रा के दौरान ग्वारीघाट से लेकर समूचे यात्रा मार्ग एवं इसके समापन स्थल पर सुरक्षा, साफ-सफाई एवं यातायात की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। सुरक्षा के मद्देनजर ग्वारीघाट में पर्याप्त संख्या में मोटरबोट और गोताखोरों की तैनाती सहित सभी जरूरी इंतजाम सुनिश्चित करने की जरूरत बताई गई। बैठक में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्कार कांवड़ यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए आयोजन समिति द्वारा भी स्वयं सेवक तैनात किये जा रहे हैं। संस्कार कांवड़ यात्रा समिति के सदस्य एवं महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बैठक में कहा कि पर्यावरण एवं मॉ नर्मदा के संरक्षण और संवर्धन की मूल भावना से निकाली जा रही संस्कार कांवड़ यात्रा जबलपुर शहर का गौरव बन चुकी है। उन्होंने बताया कि संस्कार कांवड़ यात्रा का यह पंद्रहवाँ आयोजन है। कांवड़ यात्रा से किसी को कोई असुविधा न हो आयोजन समिति की हमेशा यह कोशिश रही है। पूर्व के वर्षों में निकाली गई कांवड़ यात्रा में भी इस ओर विशेष ध्यान दिया गया था। यही इस आयोजन की विशेषता भी है। उन्होंने यात्रा के सफल आयोजन में नगर निगम की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि इस बार कांवड़ यात्रा भव्य रहे, इसके लिए पूरी सक्रियता से सहभागिता होगी। जिससे किसी तरह की कोई असुविधा न हो। उन्होंने आयोजकों से भी आग्रह किया कि वे यात्रा में शामिल होने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की संख्या के वास्तविक आंकलन से प्रशासन को अवगत करायें ताकि उस लिहाज से सुरक्षा के समुचित इंतजाम किये जा सके। कलेक्टर ने आयोजन समिति के पदाधिकारियों से कांवड़ यात्रा के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों का इस्तेमाल सावधानी पूर्वक करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आयोजक पर्याप्त संख्या में पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी रखें ताकि यात्रा के दौरान जरूरी सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा सके। उन्होंने कांवड़ यात्रा के सफल आयोजन की शुभकामनाएं देते हुये प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा देते हुये कहा कि प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा कैलाश धाम परिसर एवं यात्रा मार्ग का निरीक्षण भी किया जायेगा।

# इतिहासकार मीनाक्षी जैन राज्य सभा सांसद नामित होने पर हर्ष

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

देश की जानी मानी इतिहासकार दिल्ली यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ मीनाक्षी जैन को राष्ट्रपति के द्वारा राज्यसभा सांसद नामजद किए जाने पर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने हर्ष व्यक्त किया है। विभाग के नेता सरदार दलवीर सिंह जस्सल, सुमन जैन, संजय वर्मा, राजकुमार जैन मामाजी, शाकिर कुरैशी, ताहिर खोकर, अशरफ मंसूरी, बहार अंसारी, अतुल जोसेफ, राजेंद्र जैन बंधु, नेक राम पटेल ,मार्को बाबा, निर्मल चंद जैन, नरेश साहू, सुभाष पटेल आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई प्रेषित की है। साथ ही कहा कि उनके राज्यसभा सांसद के रूप में मनोनयन से अल्पसंख्यक समुदाय गौरवान्वित हुआ है,और आशा व्यक्ति की है कि आगामी भविष्य में भी आप अल्पसंख्यक समाज का नाम रोशन करती रहेंगी। अल्पसंख्यक विभाग के अमित जैन युवा, डॉक्टर चंद्रेश जैन, डॉक्टर महेंद्र जैन, मिथिलेश जैन, प्रशांत जैन, राहुल कुमार जैन, संजय जैन प्रभु, प्रशांत जैन, निलेश जैन, अजीत जैन पप्पू, सचिन जैन, सनी जैन, प्राणेश जैन, हाजी हामिद खान, मोहम्मद असलम, डॉक्टर अलीम मंसूरी, मकसूद मंसूरी, अब्दुल रहमान मलिक, अभिमन्यु शर्मा, दिलावर खान, रिंकू कुशवाहा, सुखेंद्र सिंह लोधी, अनुराग शुक्ला, ऐश्वर्य ठाकुर, शफी खान, युग लोधी आदि ने भी शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

# ग्रीन सिटी में मिनी गार्डन लोकार्पित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

उत्तर मध्य विधानसभा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के अंतर्गत ग्रीन सिटी में भारत माता चौक पर पेवर ब्लॉक, स्टील ग्रिल बाउंड्री, ओपन जिम से सुव्यवस्थित मिनी गार्डन का लोकार्पण विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय के द्वारा किया गया। इस दौरान पार्षद मोनिका पुष्पेंद्र सिंह मंडल अध्यक्ष पुष्पराज पाण्डेय, भाजपा नेता पवन तिवारी, सुबोध पांडे, बी डी साहू, स्थानीय व्यापारिजन,बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित थी।

# गौशाला में 'एक वृक्ष गौमाता के नाम' अभियान सफल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

विद्यासागर सेवा आश्रम समिति गौशाला एवं दिव्योदय तीर्थ क्षेत्र सम्मेदगिरी गोसलपुर में 'एक वृक्ष गौमाता के नाम' नामक एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत पहल के तहत गौशाला परिसर में 101 फलदार वृक्षों का रोपण किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, गौमाता के प्रति सेवा और करुणा का भाव जागृत करना तथा जीवदया के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। ये सभी 101 फलदार वृक्ष अंकुर जैन की ओर से गौशाला को श्रद्धापूर्वक भेंट किए गए थे, जो उनके पर्यावरण प्रेम और धार्मिक आस्था को दशार्ता है। यह कार्यक्रम गौशाला एवं दिव्योदय तीर्थ क्षेत्र परिवार के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री अनिल जैन, आशीष जैन, अंकुर जैन, सुनील जैन, अमित जैन, संजय जैन, सुनील डियोरिया, विमल जैन, अरुण जैन, राकेश जैन, यतेंद्र जैन, संदीप जैन, मयंक सिंघाई,राहुल सिंघाई,अनिल दानपति, संजय दानपति,सौरभ जैन,लकी जैन,नितिन जैन,रुपेश जैन,जीवन लाल गुप्ता और बिहारी रजक सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने वृक्षारोपण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

## भाजपा महानगर की आवश्यक बैठक आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर की आवश्यक बैठक आज शाम 5 बजे भाजपा कार्यालय रानीताल में आयोजित की गई है। बैठक को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह संबोधित करेंगे। बैठक में सभी जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, जिला कार्यकारणी सदस्य, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, मोर्चा प्रकोष्ठ के प्रदेश एवं जिला के प्रमुख उपस्थित रहेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने अपेक्षित जनों से उपस्थिति की अपील की है।

## रामदुलारी नामदेव का निधन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गढ़ा बाजार निवासी श्रीमती रामदुलारी नामदेव का सोमवार को स्वर्गवास हो गया। वे प्रेम शंकर नामदेव, प्रदीप नामदेव और श्री राम नामदेव की पूज्यनीय माता थीं। श्रीमती रामदुलारी नामदेव का अंतिम संस्कार, चौहानी शमशान में किया गया।

# पूर्व डीन के खिलाफ कार्यवाही के लिए ज्ञापन देने पहुंचे अधिवक्ता

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com



गत दिवस मेडिकल की पूर्व डीन डॉ गीता गुईन के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से की गई अशोभनीय टिप्पणी और भ्रामक बातें फैलाने को लेकर ओमती थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी एवं पुलिस अधिकारियों से कार्यवाही की मांग की गई थी, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही की गई है। अधिवक्ताओं ने आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि डॉ गीता गुईन ने जबलपुर की अस्मिता पर प्रहार किया है, इसीलिए इस विषय को प्रशासन को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्यवाही करनी चाहिए.इस दौरान एड राहुल श्रीवास्तव, एड सौमित रायजादा, एड सुदीप सैनी,एड अक्षांश श्रीवास्तव, एड विजय बरौनिया, एड कमलेश, एड उमेश , एड अंकित चौरसिया , विक्रम लाहौरिया, योगेन्द्र गोलैंडे, विवेक तिवारी , विनय तिवारी समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

## महाकोशल चेम्बर ने 21 सूत्रीय सुझाव प्रेषित किया - मुख्य रूप से नर्मदा के उस पार "सेटेलाइट सिटी" निर्मित हो

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

`महाकोशल चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, जबलपुर को संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा जबलपुर विकास योजना पुर्नविलोकन -2025 हेतु चेम्बर पदाधिकारियों को अपने कार्यलय में आमंत्रित कर सुझाव मांगे थे उनके साथ हुई वृस्तुत चर्चा के बाद चेम्बर ने उनके साथ जबलपुर के विकास 21 मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा की थी जिसमें मुख्य रूप से नर्मदा नदी गौरीघाट मंगेली के उस पार नया जबलपुर विकसित करते हुए "सेटेलाइट सिटी" का स्वरूप प्रदान किया जाना चाहिऐ रेल लाइन लाइन की अनुपयोगी भूमि को विकसित कर सुचारू यातायात हेतु सड़क का निर्माण कराया जाना चाहिऐ यही सड़क आगे नर्मदा नदी पर पुल के निर्माण उपरान्त सीधे प्रस्तावित सेटेलाइट सिटी को जोड़ती हुई नागपुर रोड से मिल जावेगी एवं ग्वारीघाट के लिया यह एक वैकल्पिक रास्ता भी होगा` जबलपुर में अन्तराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम का निर्माण कराना` रानीताल की शेष बची हुई भूमि जो कि आगा चौक से रानीताल मुक्ति धाम रोड के बाई तरफ स्थित है तथा तालाब को कचरे से भरा जाकर बनाई गई है एक उपयुक्त स्थल है जो नगर के बीच में है इस स्थल का उपयोग सार्वजनिक आयोजनों के स्थल की जो कमी है उसकी पूर्ति हेतु को किया जा सकता है` ताल-तलैयों के शहर जबलपुर में शेष बचे हुए तालाब जो कि सरोवर हमारी धरोहर में आरक्षित है तालाबों का उपयोग जलक्रीड़ा, स्वीमिंग पुल एवं भ्रमण स्थल के रूप किए जाने की योजना में किए जाने की आवश्यकता है` नगर के बढ़ते यातायात को सुनियोजित करने के क्रम में सघन व्यापार क्षेत्रों में जहाँ रोड़ की चौड़ाई 30 फुट से अधिक है वहाँ रोड़ डिवाइडर लगाया जावे साथ ही समुचित मात्रा मे पार्किंग स्थलों का निमार्ण एवं संचालन किया जाना आवश्यक है` थोक व्यापार स्थल का निर्माण जिसके तहत गल्ला, किराना, सब्जी-फल कपड़ा, हार्डवेअर, सेनेटरीवेयर, मोटर पार्ट, बिल्डिंग मटेरियल इत्यादि जैसे क्षेत्र स्थित है नगर के समीप बाईपास या टच-4 में स्थल चयन कर बनाया जा सकता है` जबलपुर नगर में हाथ ठेला खेमचा एवं गुमटी पर व्यापार करने वाले छोटे-छोटे लोगों की आजीविका का साधन है।

## मतदान : आधार, वोटर, राशन कार्ड को मान्यता दी जाये : कांग्रेस

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

चुनावो में मतदान हेतु आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को मान्यता दिये जाने की मांग कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने निर्वाचन आयोग से की है, ताकि मतदाता निष्पक्ष रूप से चुनाव में मतदान कर सके। अल्पसंख्यक नेता सुमन कुमार जैन, सरदार दलवीर सिंह जस्सल, राजेंद्र जैन बंधु नेकराम पटेल, संजय वर्मा, राजकुमार जैन मामा, शाकिर कुरैशी, ताहिर खोकर, अशरफ मंसूरी, संजय जैन किपी, संजय जैन प्रभु, डॉक्टर चंद्रेश जैन, डॉक्टर महेंद्र जैन, अमित जैन युवा, निर्मल चंद जैन, मार्को बाबा, नरेश साहू, सुभाष पटेल, रिंकू कुशवाहा, हामिद खान, मोहम्मद असलम, डॉक्टर अलीम मंसूरी, मकसूद मंसूरी, अब्दुल रहमान मलिक, अभिमन्यु शर्मा, दिलावर खान, अनुराग शुक्ला, ऐश्वर्य ठाकुर, शफी खान, युग लोधी, अरविंद पंडा, सौरभ विश्वकर्मा आदि ने केंद्रीय चुनाव आयोग एवं बिहार राज्य चुनाव आयोग से सुप्रीम कोर्ट के सुझाव अनुसार चुनाव में मतदान करने के लिए आधार कार्ड ,वोटर आई डी और राशन कार्ड को भी शामिल किए जाने की मांग जनहित में की है, ताकि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न हो सके।

## हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

न्यायालय ओमप्रकाश रजक अपर सत्र न्यायाधीश पाटन ने अभियुक्त देवी सिंह लोधी पिता अन्नीलाल लोधी, उम्र-39 वर्ष, निवासी- ग्राम सांकल, थाना ठेमी, जिला नरसिंहपुर को धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास एवं 5000 रुपए अर्थदण्ड से दण्डित किया है। 5 दिसंबर 2020 को आरक्षी केन्द्र बेलखेडा अंतर्गत जानकारी प्राप्त हुई कि वाहन चालक धनीराम को गोली मार दी गई हैं। उसे घायल अवस्था में उपचार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। विवेचना उपरांत आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में चालान पेश किया गया। संदीप जैन विशेष लोक अभियोजक के तर्को से सहमत होते हुए न्यायालय ने अभियुक्त देवी सिंह लोधी को आजीवन कारावास एवं कुल 6000 रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया।

# क्षतिग्रस्त रेल पुल दुर्घटनाओं को दे रहा निमंत्रण

## नए पुल निर्माण कराने मुविप ने डीआरएम को दिया ज्ञापन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

अधारताल स्थित रेल्वे का 125 वर्ष पुराना जीर्ण शीर्ण पुल को ध्वस्त कर नया पुल का निर्माण किये जाने को लेकर मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीकाराम कोष्टा, पठान समाज के सरदार वरिष्ठ पत्रकार हाजी मुईन खान के नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेलवे के डीआरएम को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि अधारताल स्थित महाराजपुर करौंदा नाला व ऋषि नगर कॉलोनी में 125 वर्ष पूर्व निर्मित रेल्वे की बड़ी लाइन का पुल अत्यधिक जीर्ण शीर्ण अवस्था में हैं। जिस कारण कभी भी बड़ी रेल दुर्घटना होने की आशंका हैं। वर्षा के दिनों में पुल के नीचे पानी भरा होने के कारण रहवासी व औधोगिक क्षेत्र रिछाई की फैक्टरियों में नोकरी करने वाले पुल के ऊपर से पटरियां पार कर जाते हैं। जिस कारण रेल गाड़ी की चपेट में आकर मानव व पशुओं की मौतें हो रही हैं। जनहित में उक्त जर्जर पुल को ध्वस्त कर नया रेल पुल का निर्माण अतिशीर्ष कराये जाने की मांग की गई। ज्ञापन देते समय मुस्लिम विकास परिषद के मोनिश अंसारी, हाशिम राजा, अहमद रजा, विजय अग्रवाल, जावेद राइन, पत्रकार अशफाक आरिफ, इरफान कुरैशी, फैजान कुरैशी, मुज्जफर कुरैशी, जावेद मिर्जा, गुलाम साबरी, शाहिद परवेज कुरैशी, तारिक कुरैशी, अशफाक कुरैशी, मामूर गुड्डू, इश्तियाक अंसारी, निजाम खान, मेहताब अली, इस्लाम अली, कुरैशी, सलीम खान, मो. खाजा मदीन, नोशाद खलीफा, रिफत जमीर, आसिफ खान, लियाकत जावेद, रियाज राइन किग्डस, हाशिम राजा, एड.निसार अंसारी, एड. अय्यूब अंसारी, मुख्तार मंसूरी, एड. अकबर उस्मानी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

## संपादकीय

# जानलेवा पुल लोगों के जीवन कर रहे समाप्त

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए सभी स्तर पर हरसंभव उपाय किए जाएं। मगर ऐसा लगता है कि बार-बार के हादसों के बावजूद सरकारी तंत्र के लिए इस पर गौर करना कोई जरूरी काम नहीं है और उसकी नींद तभी खुलती है, जब किसी बड़े हादसे से लोगों के बीच उपजा आक्रोश तूल पकड़ने लगता है। गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढह जाने और उससे हुए जानमाल के नुकसान की घटना सरकारी तंत्र की इसी व्यापक लापरवाही और संवेदनहीनता का सबूत है। गौरतलब है कि वडोदरा में आणंद और पादरा को जोड़ने वाले व्यस्त पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया। इसकी चपेट में कई वाहन आए और टूटते पुल से महिसागर नदी में गिर गए। खबरों के मुताबिक, इसमें कम से कम सोलह लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए। इस घटना को भी किसी आम हादसे की तरह देखा जाएगा, मरने और घायल होने वालों के लिए मुआवजे की घोषणा और जांच का आश्वासन जारी कर दिया जाएगा। मगर आमतौर पर ऐसी घोषणाओं के बाद सरकारी रवैया कुछ ही दिन में फिर अपने पुराने ढर्रे पर लौट जाता है और शायद किसी अगले हादसे का इंतजार किया जाने लगता है। यह समझना मुश्किल है कि जिस पुल के जर्जर होने और कभी भी हादसे का शिकार होने की आशंका से जुड़ी खबरें आ चुकी थीं, उस पर यातायात को रोकने और अन्य सुरक्षा इंतजाम करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की गई। यह बेवजह नहीं है कि अब ऐसे सवाल तीखे रूप में उठाए जा रहे हैं कि गुजरात में इस तरह के खराब गुणवत्ता वाले जानलेवा पुल के बनने और भरभरा कर ढहने का सिरा सरकार के किन-किन महकमों और उसके कर्ता-धर्ता से जुड़ा है और इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती। जिस राज्य के विकास को देश भर में उदाहरण के रूप में पेश किया जाता है, वहां सिर्फ चालीस साल पहले बना पुल इस हालत में पहुंच जाता है तो इसका जिम्मेदार कौन है? क्या ऐसे लोगों की पड़ताल कर उन्हें कानून के कठघरे में खड़ा किया जाएगा? दरअसल, वडोदरा में पुल गिरने की घटना देश भर में ऐसे हादसों की महज एक कड़ी है। इससे पहले अक्तूबर, 2022 में गुजरात के ही मोरबी शहर में मच्छू नदी पर बना एक पुल नदी में गिर गया था, जिसमें एक सौ पैंतीस लोगों की जान चली गई थी। तब यह खबर आई थी कि सरकार ने सभी पुलों को मजबूती से जांचने और रखरखाव पुख्ता करने का दावा किया है। मगर पुल ढहने की ताजा घटना से सरकारी दावों की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। आमतौर पर किसी भी पुल के बनने के वक्त ही उसकी कुल आयु और रखरखाव के बारे में बता दिया जाता है। अगर कोई पुल किन्हीं वजहों से जोखिम की हालत में होता है तो उसे बंद कर दिया जाता है। ठोस तरीके से उसकी मरम्मत की जाती है या फिर उसका पुनर्निर्माण किया जाता है। विडंबना यह है कि वडोदरा के जर्जर पुल के जोखिम की आशंका जताए जाने के बावजूद कोई सावधानी नहीं बरती गई। अब सरकार को यह बताने की जरूरत है कि अगर आशंकाओं की जानबूझ कर अनदेखी नहीं की गई तो पुल की हालत के प्रति व्यापक लापरवाही की

# डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

-ललित गर्ग-

**भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपए के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दशार्ता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पदार्पाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था।**

आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड़यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाजार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।

इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है। यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड़यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजैक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करोड़ों का ट्रांजैक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस डिजिटल युद्ध में सहभागी बनें, नकली नोटों को ना कहें, डिजिटल लेन-देन को अपनाएं। यही राष्ट्रभक्ति है, यही समय की माँग है। संदिग्ध नकदी की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें। नकली नोटों की पहचान करना सीखें और दूसरों को भी जागरूक करें। निश्चित ही जहाँ नकली नोट देश की आत्मा को खोखला करते हैं, वहीं डिजिटल मुद्रा राष्ट्र की नींव को मजबूत करती है।

निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ-ही-साथ डिजिटल भुगतान से जुड़े घपल्ले एवं घोटाले भी है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नकली मुद्रा के पीछे कुछ संगठित राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ सक्रिय हैं। पाकिस्तान स्थित आईएसआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पहले भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे नकली भारतीय मुद्रा भारत में भेजकर आतंकवाद और अलगावाद को आर्थिक समर्थन देते हैं। देश की सरकार ने डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, आधार लिंकिंग, और यूपीआई जैसी क्रांतिकारी योजनाओं के जरिए नकदी पर निर्भरता घटाने का प्रयास किया है। लेकिन यह लड़ाई अकेली सरकार नहीं जीत सकती।

नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान है। यह और भी बड़ी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी ह्यनकदी ही राजा हैह्ण मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

# खेलों में भारत को सुपर पावर बनाने की खास पहल

केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में जारी राष्ट्रीय खेल नीति (एनएसपी)-2025 एक दूरदर्शी और परिवर्तनकारी पहल है, जो भारत को वैश्विक खेल शक्तियों की कतार में खड़ा करने वाली है। साल 2001 की नीति से आगे बढ़ते हुए एनएसपी-2025 खेलों को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखकर एक नया और व्यापक खाका पेश करती है, ताकि भारत खेलों की दुनिया में सुपर पावर बनने की दिशा में बढ़ सके। यह नीति खेलों को केवल मनोरंजन के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, सार्वजनिक स्वास्थ्य और शैक्षिक सुधार के उपकरण के तौर पर पुनर्परिभाषित करती है।

एनएसपी पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित एक मिशन-दृष्टिकोण है। इसका उद्देश्य प्रतिभाओं को पोषित करना, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, फिटनेस की संस्कृति को विकसित करना और हर स्तर पर समावेश को बढ़ावा देना है। इस नई नीति में शहरी व ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में विश्व स्तरीय खेल बुनियादी ढांचे का विस्तार, प्रशिक्षित कोचों की नियुक्ति और खेल विज्ञान को शामिल किया गया है।

यह नीति 'खेलो इंडिया' और 'लक्षित ओलंपिक पोडियम योजना ' को मजबूत करेगी, जो खिलाड़ियों को प्रतियोगी मंच, वैश्विक प्रशिक्षण और आधुनिक संसाधन मुहैया कराएगी। यह नीति खेल को ऐसे पेशे के रूप में पेश करती है, जिसमें सटीकता, तैयारी व उद्देश्य की अहम भूमिका है। यह खेल को आर्थिक विकास का एक प्रमुख इंजन मानती है। इसमें भारत को प्रमुख खेल आयोजनों का वैश्विक केंद्र बनाने का सपना देखा गया है, जिसमें ओलंपिक भी शामिल है।

नई खेल नीति समृद्ध खेल अर्थव्यवस्था के तहत खेल विज्ञान, खेल तकनीक, डिजिटल एनालिटिक्स और बुनियादी ढांचे के निर्माण में स्टार्टअप को बढ़ावा देगी। यह सार्वजनिक-निजी साझेदारी व सीएसआर के धन का उपयोग करेगी, साथ ही 'एडॉप्ट एन एथलीट' और 'वन कॉरपोरेट-वन स्पोर्ट' जैसी योजनाओं के माध्यम से निजी क्षेत्र को खिलाड़ियों व बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए प्रेरित करेगी। यह नीति पूंजी और रचनात्मकता, दोनों को साथ मिलाकर युवा पीढ़ी के लिए नए रोजगार के अवसरों को खोलने और खेल को एक मजबूत आर्थिक क्षेत्र में बदलने का काम करेगी।

नई नीति 'सभी के लिए खेल' के सिद्धांत को बढ़ावा देती है। भारतीय खेल धरोहर को संरक्षित करने के साथ ही यह इन्हें वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए कबड्डी, खो-खो, मल्लखंब और गतका जैसी पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने और इनको बढ़ावा देने का भी प्रयास करती है। इसमें एक उल्लेखनीय पहल प्रवासी भारतीय को शामिल करना भी है। आज देश के लगभग 70 प्रतिशत शहरी मधुमेह और मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं। इस लिहाज से यह नीति इसका समाधान भी करती है। इसमें 'फिट वर्कप्लेस इंडेक्स' और 'स्कूल फिटनेस इंडेक्स' जैसे राष्ट्रीय सूचकांक शामिल हैं और '10,000 स्टेप्स ए डे' मुहिम को ध्यान में रखा गया है।

**एनएसपी पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित एक मिशन-दृष्टिकोण है। इसका उद्देश्य प्रतिभाओं को पोषित करना, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, फिटनेस की संस्कृति को विकसित करना और हर स्तर पर समावेश को बढ़ावा देना है। इस नई नीति में शहरी व ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में विश्व स्तरीय खेल बुनियादी ढांचे का विस्तार, प्रशिक्षित कोचों की नियुक्ति और खेल विज्ञान को शामिल किया गया है।**

यह खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले देशों, जैसे अमेरिका, चीन और दक्षिण कोरिया से प्रेरणा लेते हुए इनकी शिक्षा के महत्व पर जोर देती है। इन देशों के 35 से 50 प्रतिशत ओलंपिक पदक विजेता विश्वविद्यालयों से ही आते हैं। इस ढांचे के तहत स्कूल और विश्वविद्यालय खेलों को पेशेवर रूप में पेश करते हैं। इस नीति के तहत सभी शिक्षण संस्थान खेलों में छात्रवृत्तियां देंगे, बुनियादी ढांचे, खेल विज्ञान और कोचिंग का विकास करेंगे, ताकि संस्थानों में ऐसा तंत्र बन सके, जो अच्छे खिलाड़ियों को पहचान कर उनके समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित कर पाए।

एनएसपी-2025 सिर्फ नीति नहीं, राष्ट्रीय मिशन है। इसकी सफलता सटीक क्रियान्वयन, पारदर्शिता के अलावा सरकार, निजी क्षेत्र, शैक्षिक संस्थान व समुदाय के बीच निरंतर सहयोग पर निर्भर करेगी। लगभग डेढ़ अरब आबादी वाले भारत के लिए वह समय आ गया है कि हम अपनी क्षमता को पदकों में और अपनी भावना को उद्देश्य में बदलें। एनएसपी-2025 के साथ भारत अंतरराष्ट्रीय खेलों में केवल भाग लेने के लिए नहीं, बल्कि पदक प्राप्त करने के लिए तैयार होगा। (लेखक कुलपति, हरियाणा खेल विश्वविद्यालय हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

# गरीबों का जीवन गरिमामय बनाती राष्ट्रीय योजनाएं

**भारत में सामाजिक सुरक्षा का विस्तार सिर्फ संख्या की वृद्धि नहीं है, बल्कि नीतिगत दृष्टिकोण में भी एक गहरा बदलाव दर्शाता है। पहले जहां ये कल्याणकारी योजनाएं दिखावटी या चुनावी भाषणों तक सीमित समझी जाती थीं, वहीं अब उनको डाटा आधारित, कानूनी रूप से समर्थित व संस्थागत रूप से प्रमाणित ढांचे में समाहित किया गया है। इस बदलाव से गांवों-गरीबों का 'सिस्टम' के प्रति भरोसा जाग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंत्योदय और समावेशी विकास की यह नीति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त करने की दिशा में बड़ा बदलाव है। यह एक ऐसा 'विजन' है, जिसके परिणामस्वरूप लाभार्थी अब सिर्फ राजनीतिक लाभ का जरिया न बनकर तरक्की की कतार में शामिल हो रहे हैं।**

भारत में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बीते एक दशक में जो बदलाव आया है, उसे लगातार अंतरराष्ट्रीय मान्यताएं मिल रही हैं। बीते दिनों अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा जारी किए गए आंकड़े इस बदलाव की औपचारिक पुष्टि करते हैं। साल 2015 में जहां भारत की महज 19 फीसदी जनसंख्या को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में माना जाता था, वहीं 2025 में यह बढ़कर 64.3 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, यानी करीब 94 करोड़ भारतीय अब कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। यह न केवल राष्ट्रीय, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी एक उल्लेखनीय छलांग है।

भारत में सामाजिक सुरक्षा का विस्तार सिर्फ संख्या की वृद्धि नहीं है, बल्कि नीतिगत दृष्टिकोण में भी एक गहरा बदलाव दर्शाता है। पहले जहां ये कल्याणकारी योजनाएं दिखावटी या चुनावी भाषणों तक सीमित समझी जाती थीं, वहीं अब उनको डाटा आधारित, कानूनी रूप से समर्थित व संस्थागत रूप से प्रमाणित ढांचे में समाहित किया गया है। इस बदलाव से गांवों-गरीबों का 'सिस्टम' के प्रति भरोसा जाग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंत्योदय और समावेशी विकास की यह नीति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त करने की दिशा में बड़ा बदलाव है। यह एक ऐसा 'विजन' है, जिसके परिणामस्वरूप लाभार्थी अब सिर्फ राजनीतिक लाभ का जरिया न बनकर तरक्की की कतार में शामिल हो रहे हैं।

दरअसल, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की संकल्पना पर आधारित योजनाओं से बीते 10 वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि जन-कल्याण सिर्फ सरकारी जुमला नहीं है, बल्कि यह शासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मोदी सरकार की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उसने लोक-कल्याणकारी योजनाओं को 'डिजिटल ट्रांसफर आधारित न्याय' में बदला। 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' के माध्यम से इस दौरान 44 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खाते में भेजे गए। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा, बल्कि सरकारी योजनाओं में लोगों का विश्वास भी बहाल हुआ। सामाजिक सुरक्षा के लिहाज से आयुष्मान भारत योजना तो दुनिया की सबसे बड़ी सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजना बन गई है। अब तक छह करोड़ से अधिक अस्पतालों में भर्ती रोगियों का मुफ्त इलाज और 50 करोड़ से ज्यादा लोगों को बीमा सुरक्षा देना यह साबित करता है कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को अभिजात्य वर्ग की सुविधा से निकालकर आम नागरिक का अधिकार बना दिया है। जहां अनेक विकसित अर्थव्यवस्थाएं सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा के लिए संघर्ष कर रही हैं, वहीं भारत ने गरीब से गरीब नागरिक को गंभीर रोगों से लड़ने की शक्ति दी है।

सामाजिक सुरक्षा की दिशा में 'कोड ऑन सोशल सिक्युरिटी 2020' भी एक क्रांतिकारी कदम साबित हो रहा है। यह न केवल संगठित क्षेत्र को, बल्कि गिग इकोनॉमी और असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के मार्ग खोलता है। एक आकलन के अनुसार, फूड डिलीवरी, कैब ड्राइविंग, फ्रीलांसिंग जैसे कार्यों में लगे गिग कर्मचारियों की संख्या 2030 तक 2.35 करोड़ हो जाएगी। उनके लिए सामाजिक सुरक्षा फंड का प्रस्ताव भारत के बदलते श्रम परिदृश्य की समझ को दर्शाता है।

इसी तरह, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन, अटल पेंशन योजना, किसान मानधन योजना और राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना जैसी योजनाएं वृद्ध नागरिकों के लिए समाज में सम्मान के साथ जीवन जीने की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर रही हैं। आईएलओ का सुझाव है कि सामाजिक सुरक्षा केवल आर्थिक सहायता तक सीमित न होकर जीवन की गुणवत्ता से जुड़ी होनी चाहिए। ऐसे में, हर घर जल योजना ने करोड़ों घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाया, तो प्रधानमंत्री आवास योजना ने चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण करवाया। सौभाग्य योजना और उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं ने सामाजिक सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य को आर्थिक संरक्षण व गरिमा में परिवर्तित कर दिया है।

आईएलओ की मान्यता केवल वैश्विक तमगा नहीं है, बल्कि यह एक संकेत है कि योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं, जब वे नागरिकों के जीवन में प्रवेश करती हैं। (लेखक चेयरमैन, प्रसार भारती ) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

# राष्ट्रीय राजमार्ग पर विचरण कर रहे गौवंश की सुरक्षा के लिये जिले में चलेगा अभियान

## जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में लिया गया निर्णय

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जनपद पंचायत शहपुरा के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में निर्मित गौ शाला में रह रही गायों की देखरेख के समुचित प्रबंध तथा नेशनल हाईवे पर पशुओं के विचरण को रोकने के उपायों पर विचार विमर्श करने आज सोमवार को जिला पंचायत की सीईओ अभिषेक गहलोत की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिला पंचायत के सभाकक्ष में संपन्न हुई इस बैठक में जिले में राष्ट्रीय राजमार्गों पर विचरण कर रहे गौवंश की सुरक्षा के लिये 15 जुलाई से अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि जबलपुर जिले से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर बडी संख्या में गायें एवं अन्य मवेशी निरंतर विचरण करते देखे जा रहे है। इससे आये दिन दुर्घटनायें होती हैं तथा इन निर्दोष पशुओं एवं वाहन चालकों की जान जाने का भी डर बना रहता है। जिला पंचायत के सीईओ ने बैठक में नेशनल हाईवे पर विचरण कर रहे गौवंश को हटाकर उन्हें गौशाला में रखने या कांजी हाऊस भेजने के निर्देश दिये। उन्होंने सड़कों पर मवेशियों को न छोड़ने के लिये पशु पालकों को जागरूक करने पर जोर दिया। श्री गहलोत ने बताया कि 15 जुलाई से गायों की सुरक्षा हेतु नेशनल हाईवे पर विशेष अभियान चलाया जायेगा, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बैठक में तय किया गया कि आवारा घूम रहे पशुओं को कैटल वाहन के माध्यम से पकडा जायेगा तथा उनकी वापसी नहीं की जायेगी। यदि उन पर किसी व्यक्ति का मालिकाना हक है तो पहचान के बाद उसे दण्ड के साथ वापस सौंपा जायेगा। इसके साथ ही पशु मालिकों पर विधिसम्मत कार्यवाही भी की जायेगी। बैठक में जनपद पंचायत शहपुरा की सीईओ, थाना प्रभारी भेड़ाघाट तथा एमपीआरडीसी के अधिकारी सरंपच, सचिव एवं अन्य आम जन उपस्थित रहें।

# जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का उपार्जन प्रारंभ

## कृषि अधिकारियों ने पाटन के रुद्रांश वेयर हाउस पर कराई उपार्जन की शुरूआत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द का उपार्जन का कार्य प्रारंभ हो गया है। सोमवार को पाटन तहसील के रुद्रांश वेयर हाउस के निरीक्षण के लिये पहुँचे उप संचालक कृषि ने इस खरीदी केंद्र पर उपार्जन कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी, सहायक संचालक कृषि रवि आम्रवंशी एवं अमित पांडे भी मौजूद थे। उप संचालक कृषि डॉ निगम ने बताया कि जिले में समर्थन मूल्य मूंग और उड़द के उपार्जन के लिये तहसीलवार 11 खरीदी केंद्र स्थापित किये गये हैं। मूंग और उड़द के उपार्जन के लिये किसानों द्वारा स्लॉट की बुकिंग प्रारंभ कर दी गई है और अभी तक 500 किसानों द्वारा स्लॉट बुक कराये जा चुके हैं। जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का उपार्जन 7 जुलाई से 8 अगस्त तक किया जाना है। खरीदी केंद्रों पर ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द का उपार्जन शनिवार और रविवार को छोड़कर सप्ताह में पांच दिन सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक किया जा रहा है। रुद्रांश वेयर हाउस स्थित गोदाम स्तरीय खरीदी केंद्र के निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि डॉ निगम ने समिति प्रबंधक एवं गोदाम मालिक को ऑनलाईन खरीदी गई मूंग और उड़द के भौतिक स्टॉक का प्रतिदिन मिलान करने तथा इसकी रिपोर्ट खरीदी केंद्र के नोडल अधिकारी के माध्यम से जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उप संचालक कृषि ने समिति प्रबंधकों एवं गोदाम मालिकों को उपार्जन में इस वर्ष की मूंग एवं उड़द की ही खरीदी करने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की हिदायत भी दी। उप संचालक कृषि ने स्पष्ट किया कि उपज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जवाबदारी समिति प्रबंधक, सर्वेयर एवं गोदाम प्रभारी की संयुक्त रूप से होगी। उन्होंने नॉन एफएक्यू उपज का गोदाम परिसर में भंडारण नहीं करने तथा प्रत्येक किसान को खरीदी के समय पावती अनिवार्य रूप से प्रदान करने के निर्देश भी दिये। उप संचालक कृषि ने असुविधा से बचने किसानों से भी एफएक्यू उपज ही खरीदी केंद्र लेकर आने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नॉन एफएक्यू पाये जाने पर खरीदी केंद्र पर उपलब्ध ग्रेडर के माध्यम से ग्रेडिंग कराई जाएगी और इसका खर्च किसानों को ही वहन करना होगा।

# कलेक्टर ने प्रकरणों के जवाबदारी से निराकरण के दिए निर्देश

## लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आज लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में उन्होंने सभी विभागों की सीएम हेल्पलाईन की एक-एक कर समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण प्राथमिकता से करें। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रकरण नॉन अटेंडेंट न रहे, समाधान भविष्यात्मक न रहें और न ही निम्न गुणवत्ता से बंद हों। साथ ही कहा कि 50 दिन से अधिक के प्रकरणों को पहले निराकृत करें। शिकायतों के निराकरण की गति में तेजी लायें। कलेक्टर श्री सक्सेना ने टीएल के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान विभागवार एक-एक प्रकरणों की समीक्षा करते हुये कहा कि प्रकरणों का निराकरण तत्परता से करें। बैठक में सीएम व सीएस मॉनिट के प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि न्यायालयीन प्रकरणों के जवाबदावा के लिए इसी सप्ताह संबंधित अधिकारियों की बैठक करें। साथ ही शिविर आयोजित कर कोर्ट के आदेश पालन के संबंध में भी जानकारी दी जाये। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट में लगे प्रकरणों के जवाबदावा समय सीमा पर दिया जाये, साथ ही कोर्ट के आदेश का अनुपालन भी हो।

# सुप्रा डायग्नोस्टिक का पंजीयन निरस्त

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिला प्रशासन द्वारा गठित जाँच समिति की अनुशंसा पर राइट टाउन स्थित सुप्रा डायग्नोस्टिक का लाइसेंस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा निरस्त कर दिया गया है। इसके साथ ही इस डायग्नोस्टिक सेंटर के बगल में बिना वैध पंजीयन के संचालित कॉस्मेटिक हब क्लीनिक को भी सील कर दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा गठित संयुक्त टीम ने 11 जुलाई को राइट टाउन स्थित सुप्रा डायग्नोस्टिक ए यूनिट ऑफ सुप्रा एंटरप्राइजेज का आकस्मिक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के बाद इस समिति ने यहाँ मध्यप्रदेश रुजोपचार्य गृह एवं रूजोपचार संबन्धी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को इसका पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा की थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा ने जिला प्रशासन द्वारा गठित टीम की अनुशंसा पर आज सोमवार को आदेश जारी कर तत्काल प्रभाव से सुप्रा डायग्नोस्टिक का पंजीयन निरस्त कर दिया है। आदेश में सुप्रा डायग्नोस्टिक सेंटर के साथ ही इसके बाजू में अवैध रूप से संचालित कॉस्मेटिक हब क्लीनिक को भी किसी भी प्रकार की चिकित्सा सेवाएं एवं उपचार प्रक्रियाएं तुरंत बंद करने के निर्देश दिये गये हैं।

# स्वर्गीय हरिविष्णु कामथ कि पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

**नरसिंहपुर।** विगत दिवस स्थानीय हरि विष्णु कामथ पुस्तकालय में पूर्व सांसद हरि विष्णु जी कामथ की एक सौ अठारहवीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन पूर्व राज्यसभा सांसद माननीय श्री कैलाश जी सोनी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। सबसे पहले कामथ जी के चित्र पर श्री कैलाश जी सोनी ने माल्यार्पण किया तत्पश्चात उपस्थित सभी विशिष्ट नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित की। उपस्थित सभी जनों की ओर से कामथ जी राजनीतिक सह यात्री लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री कैलाश जी सोनी ने अपने वक्तव्य में संविधान निर्मात्री समिति के सम्माननीय सदस्य श्री हरि विष्णु जी कामथ के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा शुचिता प्रिय, शुद्ध आचरण और कर्मनिष्ठ सांसद थे आई सी एस हरि विष्णु कामथ। उनके चुनावी तैयारी, सभाएं, दिल्ली में उनके द्वारा तत्परता से कराए गए कार्यों की जानकारी दी। ज्ञात हो कि श्री कैलाश जी सोनी कामथ जी के प्रमुख अंतरंग रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्षी सांसद रहने के बाद भी सतधारा पर नर्मदा जी पर सेतु और जनता पार्टी की सरकार में इटारसी जबलपुर के मध्य शटल का शुभारंभ कराया। हम गर्व महसूस करते थे कामथ जी पर उन्होंने संसद में अनेक प्रश्न उठाए, सागर छिंदवाड़ा रेलवे लाइन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि नरसिंहपुर जिला बुंदेलखंड का महत्त्वपूर्ण दरवाजा है। समय और पैसे की बचत बताया। उनके जीवन प्रसंग के दृष्टांत सुनाते हुए आयोजन करते रहने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्यकार नारायण श्रीवास्तव व आभार प्रदर्शन भाजपा मंडल अध्यक्ष जित्तू स्वामी ने किया।गणमान्य नागरिकों में सर्व वरिष्ठ साहित्यकार श्री नारायण श्रीवास्तव जी, श्री संतोष तीहैया जी, श्री भोले चौरसिया जी,श्री अखलेश ज्योतिषी जी , श्री अक्षत सोनी जी, श्री मंडल अध्यक्ष जितेंद्र स्वामी जी , श्री संदीप ममार जी, श्री मनोज नेमा जी, श्री कमलेश लुलावत जी, श्री रजत चौहान जी,श्री आनंद सोनी जी, श्री दीपक शर्मा जी शुभम दुबे जी शरद सेन श्री हर्षित नेमा श्री दिनेश अग्रवाल इत्यादि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

# ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन कार्य में वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के (डब्ल्यूडीआरए) लाइसेंस में राहत की माँग

**अशोक विश्वकर्मा/ गाडरवारा।** मध्य प्रदेश में चल रही किसानों से समर्थन मूल्य ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन वर्ष 2025-26 में खरीदी केन्द्रों एवं वेयरहाउसों का निर्धारण होने पर नरसिंहपुर जिले के स्थानीय किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग कर वेयरहाउसों पर विगत 5 दिनों से दिनांक - 10/07/2025 से अपनी मूंग की फसल को लेकर समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए कतारबद्ध होकर खड़े हुए हैं। मूंग खरीदी में आ रही समस्या को देखते हुए।भाजपा नेता पवन पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जिले के मंत्रियों एवं उच्च अधिकारियों को ईमेल के माध्यम से शिकायत पत्र प्रेषित किया है। पत्र में उल्लेख किया है कि जिले में लगातार हो रही अत्यधिक मूसलाधार बारिश एवं वेयरहाउस के आसपास विभिन्न असुविधाओं के कारण परेशान होना पड़ रहा है। जिला प्रशासन के कृषि विभाग, जिला प्रबंधक विपणन संघ द्वारा अवगत कराया गया है कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी खरीदी एवं भंडारण केंद्रो का निर्धारण किया जा चुका था जिस पर किसानों द्वारा सलाद बुकिंग कर अपनी उपज बेचने के लिए पहुंच चुके हैं जिसके पश्चात उच्च स्तर से (डब्ल्यूडीआरए) वेयरहाउसिंग विकास और नियामक प्राधिकरण लाइसेंस को अनिवार्य किए जाने पर खरीदी को तत्काल प्रभावित किया गया है जिसमें किसानो की किसी भी प्रकार की गलती नहीं है परंतु फिर भी किसानों को परेशान होना पड़ रहा है और किसानों की इस पीड़ा परेशानी को देखते हुए आपसे आग्रह करते हैं कि वर्तमान में लगातार हो रही बारिश के कारण किसानों की खेतों में लगी सोयाबीन की फसल पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है। और वर्तमान में चल रही खरीदी भी वेयरहाउस संचालकों की लापरवाही या कर्मियों के कारण किसानों को खामियांजा भुगताना पड़ रहा है। पूर्व वर्षों में हुई बिना (डब्ल्यूडीआरए) वेयरहाउसिंग विकास और नियामक प्राधिकरण लाइसेंस के हुई खरीदी प्रक्रिया को लागू कर तत्काल प्रभाव से खरीदी को निरंतर सुचारू रूप से संचालित करने। किसानों को शांति और परेशानी से मुक्त किया जा सके। मध्य प्रदेश में खरीदी 7 जुलाई 2025 से प्रारंभ की जा चुकी है परंतु तकनीकी समस्या के कारण खरीदी को 07 दिवसों से प्रभावित किया गया है किसानों की जटिल समस्या को देखते हुए खरीदी के कार्य दिवस बढ़ाने की मांग रखी।

# मेहरा समाज महासंघ के राष्ट्रीय/प्रांतीय कार्यकारिणी के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पदाधिकारी का शपथ ग्रहण सम्पन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मेहरा समाज महासंघ के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पदाधिकारी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिनांक 13 जुलाई 2025 को दोपहर 12:00 बजे मेहरा समाज महासंघ मुख्यालय 1026, आमनपुर मदन महल, जबलपुर में आयोजित किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश के जबलपुर, मंडला, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, डिंडौरी, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, भोपाल, इंदौर, खंडवा, मुलताई, बैतूल आदि सभी जिलों से मेहरा समाज महासंघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वरिष्ठ समाजसेवी श्री राजेंद्र मेहरा ने बताया की नवनिर्वाचित पदाधिकारी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मीना मेहरा जी द्वारा मेहरा समाज महासंघ के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई । राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खेमराज झारिया, श्री आरके मेहरा राष्ट्रीय महासचिव, इंजीनियर श्री और के दास राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, श्री सुभाष डेहरिया राष्ट्रीय संयुक्त सचिव, एडवोकेट श्री बलदास डेहरिया प्रांतीय अध्यक्ष, सुश्री कमला डेहरिया राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष, श्रीमती अंजू डेहरिया प्रांतीय महिला अध्यक्ष के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली । नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खेमराज झारिया ने बताया कि हमारा महासंघ समाजकी एकता , विकासके लिएविगत 21 वर्षो से काम कर रहा है। अगले तीन वर्ष हम शिक्षा, खेल, लोक संगीत, नृत्य एवं पेटिंग विषयो समाज के बच्चो को प्रोत्साहित करने का काम करेगे।

# अग्रवाल महिला महासभा की बैठक संपन्न

**अशोक विश्वकर्मा/गाडरवारा/ साईखेड़ा।** अग्रवाल महिला कार्यकारिणी के द्वारा बंजारी माता परिसर की शनि वाटिका में पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया एवं साथ ही कार्यकारिणी की बैठक भी रखी गई जिसमे समस्त पदाधिकारीयों ने अपनी अधिक से अधिक उपस्थिति को देकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया कार्यक्रम की शुरूआत अग्रसेन भगवान की पूजन अर्चन के साथ हुई ।साथ-ही जिला अध्यक्ष श्रीमती रंजना अग्रवाल ने सभी पदाधिकारीयों का पुष्पहारों से स्वागत किया। एवं आगे होने वाले कार्यक्रम के विषय को लेकर चर्चा की और साथ में चाय नाश्ता किया अग्रवाल महिला महासभा कार्यकारिणी की कार्यक्रम में कल रंजना अग्रवाल, अंशिता अग्रवाल संगीता अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल भूमिका अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल विनीता अग्रवाल ,रानू अग्रवाल दामिनी अग्रवाल, समता अग्रवाल काजल अग्रवाल रचना अग्रवाल, साधना अग्रवाल प्रतिभा अग्रवाल रश्मि अग्रवाल सुधा अग्रवाल ज्योति अग्रवाल अनुराधा अग्रवाल अनुपमा अग्रवाल, रजनी अग्रवाल ज्योति अग्रवाल एवं समस्त पदाधिकारीगण शामिल हुए।

# शासन और प्रशासन कर रहा मूंग उत्पादक किसानों के साथ छलावा, किसान सभा

**अशोक विश्वकर्मा/ गाडरवारा।** मध्य प्रदेश किसान सभा के संयुक्त सचिव कामरेड जगदीश पटेल ने शासन और प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार ने मूंग उत्पादक किसानों को धोखे में रख कर लुटने के लिए छोड़ दिया है। प्रदेश में 3.62 लाख किसानों ने पंजीयन कराया है जिसकी औसतन मात्रा 8लाख मीट्रिक टन आयेगी लेकिन सरकार का इस वर्ष का खरीदी लक्ष्य केवल 3.51लाख मीट्रिक टन का ही है जो किसानों के आरपार के संघर्ष से सरकार ने मजबूरी में लिया है। लेकिन सवाल है 5लाख मीट्रिक टन जिसका पंजीयन हो चुका उसकी सरकार क्या व्यवस्था करेगी। इसमें यदि 35%छोटे किसान और 15% बड़े किसान जो पंजीयन पूर्व ओने पौने दाम में बेच चुके तो तो उत्पादन लक्ष्य और अधिक होता। सरकार 1 हेक्टेयर पर केवल 12 क्विंटल ही खरीद रही है जबकि उत्पादन 16 से 18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, जो ऊपर का उत्पादन है उसमें ही हर किसान ओने पौने दाम में देकर लुट चुका। पंजीयन शुरू न होने और सरकार के ही सांसद दर्शनसिंह चौधरी द्वारा कहा गया कि अभी मंडियों में रेट अच्छे हैं बेच दें जो एक संदेश था कि सरकार मूंग खरीदने वाली नहीं हैं। जिसे देखते हुए व्यापारियों ने मूंग के दाम 4000तक गिरा दिए थे, जैसे ही सरकार ने किसानों के बढ़ते असंतोष और संघर्ष को देखा तो आनन फानन में पंजीयन डेट की घोषणा कर दी। तो बाजार में भी रेट बढ़ गए।

**डब्ल्यू आर डी ए लाइसेंस के नाम पर होल्ड पर वेयरहाउस-** सरकार ने 7 जुलाई से खरीदी शुरू करने की तैयारी में खरीदी केंद्र घोषित तो कर दिए लेकिन ऐसे वेयर हाउस जिन्हें लायसेंस न होने से खरीदी की पात्रता ही नहीं है, किसानों ने उनके स्लॉट बुक करा लिया, अपने अपने ट्रैक्टर वाहन लाइन लगाकर मूसलाधार बारिश में खड़े करके रखे लगाकर मूंग तुलाई का हुए टकटकी इंतजार कर रहे हैं, लेकिन कई वेयरहाउस होल्ड में हैं। सरकार के खरीदी लक्ष्य 3.51लाख मीट्रिक टन से अधिक जो 5 लाख मीट्रिक टन मूंग को और ओने पौने दाम में बेचने किसी भी बहाने से किसानों को मजबूर कर रहे हैं ।जिसमें खुले रूप से शासन प्रशासन की मिलीभगत है।

**खरीदी डेट बढ़ाने के साथ तत्काल अधिक केंद्र खोले जाकर खरीद शुरू करो-** कामरेड पटेल ने शासन प्रशासन से मांग की है कि तत्काल अधिक से अधिक केंद्र खोलकर किसानों की उपज ली जावे, जिन किसानों के स्लॉट कैंसिल हो गए हैं उन्हें प्राथमिकता से पहले लिया जाए, पंजीकृत किसानों की उपज जब तक खरीदी न हो तब तक खरीदी डेट बढ़ाई जाए। नरसिंहपुर जिले में ही गाडरवारा क्षेत्र में 7 वेयरहाउस लाइसेंस धारी हैं तो अधिक की अनुमति किसने दी।जब डब्ल्यू आर डी ए का लाइसेंस जरूरी था तो ऐसे वेयरहाउस को केंद्र क्यों बनाया गया, किसकी शह पर अनुमति दी गई है,सरकार तत्काल दोषियों पर कार्यवाही करे।सरकार और प्रशासन दोनों के बीच की नूराकुश्ती साबित कर किसानों के साथ छलावा न करे।

# कलेक्टर यादव के निर्देश पर आयोजित हुई समय-सीमा की बैठक

**कटनी।** कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में अपर कलेक्टर साधना परस्ते ने सीएम हेल्पलाइन, समय-सीमा पत्रों, मूंग एवं उड़द पंजीयन, लंबित सीमांकन आवेदनों सहित कार्यालयों में लागू ई-ऑफिस प्रणाली की समीक्षा करते हुए विभागों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सभी डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, आयुक्त नगर निगम नीलेश दुबे, जिला आपूर्ति अधिकारी सज्जन सिंह परिहार, जिला श्रम अधिकारी केवी मिश्रा, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा अधिकारी पीपी सिंह, आबकारी अधिकारी विभा मरकाम, उपसंचालक कृषि मनीष मिश्रा जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, अग्रणी जिला प्रबंधक सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

**गंभीरता से हो कैंपों का संचालन-** बैठक के दौरान जाति प्रमाण पत्र बनाने हेतु स्कूलों में लगाये जा रहे कैंपों में कम्प्यूटर ऑपरेटरों के न पहुंचने पर अपर कलेक्टर श्रीमती परस्ते ने ई-गवर्नेंस के सहायक प्रबंधक श्री चतुर्वेदी के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुये जारी समय-सारणी के अनुसार डीईओ, एसडीएम एवं डीपीसी से समन्वय करते हुए पूरी गंभीरता के साथ कैंपों का समयबद्ध संचालन करवाने के निर्देश दिए। ताकि इन कैंपों में पहुंचने वाले बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बिना किसी परेशानी के बन सके व ये बच्चे शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित न होने पाये।

**सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में सुधार करें-** सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर श्रीमती परस्ते ने सभी विभागों को सीपीग्राम से प्राप्त शिकायतों के जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। सीपीग्राम शिकायतों के अंतर्गत ज्यादा शिकायतें राजस्व एवं पुलिस विभाग के अंतर्गत लंबित है। उन्होंने जिले की रैंकिंग प्रभावित करने वाले सी और डी ग्रेड वाले विभागों को सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का शीघ्र निराकरण कर रैंकिंग में सुधार करने के निर्देश दिए।

# मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो

आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

### इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

### विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

### ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

**अगर आप मानसून में कपड़ों को घर के अंदर सुखा रहे हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आप कपड़े हमेशा खुली खिड़की, बालकनी या पंखे के पास ही टांगे। ऐसा करना ज्यादा अच्छा माना जाता है। दरअसल, ताजी हवा जल्दी नमी सुखाती है और कपड़े बदबूदार नहीं होते।**

# बरसात में घर के अंदर कपड़े सुखाने से आती है बदबू तो इन आसान ट्रिक्स को आज़माएं

मानसून के मौसम में सबसे ज्यादा समस्या होती है कपड़ों को सुखाने की। बाहर बारिश की बूंदें होती हैं और इसलिए हम बालकनी में कपड़े नहीं सुखा सकते। अमूमन ऐसे में हम घर के अंदर कपड़े सुखाना पसंद करते हैं। भले ही मजबूरी में कपड़े घर के अंदर ही सुखाने पड़ते हैं, लेकिन इससे कपड़ों को वह धूप नहीं मिल पाती है। धूप और हवा के अभाव में कपड़ों से एक अजीब सी स्मेल आने लगती है। इस तरह कपड़ों को धोने व सुखाने के बाद भी उन्हें पहनने का मन नहीं रकता है।

हो सकता है कि आप भी इन दिनों ऐसी ही परेशानी से जूझ रही हों, लेकिन आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ऐसे कुछ घरेलू उपाय हैं, जिनकी मदद से आप कपड़ों से आने वाली इस बदबू वाली प्रॉब्लम से आराम से छुटकारा पा सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान उपाय के बारे में बता रहे हैं–

### सिरके का करें इस्तेमाल

कपड़ों से आने वाली बदबू का ख्याल रखने के लिए सिरके का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप कपड़ों को धोते समय आखिरी बार उन्हें रिंस करने के लिए पानी में आधा कप सफेद सिरका डालें। भले ही आप वॉशिंग मशीन में कपड़े धो रहे हों या फिर बाल्टी में। सिरका उन बैक्टीरिया को मारता है जो कपड़ों में सीलन की बदबू लाते हैं।

### खिड़की या पंखे के पास सुखाओ

अगर आप मानसून में कपड़ों को घर के अंदर सुखा रहे हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आप कपड़े हमेशा खुली खिड़की, बालकनी या पंखे के पास ही टांगे। ऐसा करना ज्यादा अच्छा माना जाता है। दरअसल, ताजी हवा जल्दी नमी सुखाती है और कपड़े बदबूदार नहीं होते।

### वॉशिंग में बेकिंग सोडा डालो

कपड़ों से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप डिटर्जेंट के साथ 1–2 चम्मच बेकिंग सोडा मिला दो। बेकिंग सोडा की खूबी यह होती है कि बदबू को खत्म करता है और कपड़ों को फ्रेश रखता है।

# घर पर बनाएं बाजार जैसा चीजी मसाला पाव, बच्चों को भी आएगा पसंद

**चीज मसाला पाव को सादे पाव से बनाया जाता है। इसमे स्वाद का तड़का लगाने के लिए आप बटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चीज मसाला पाव की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।**

पाव भाजी का नाम सुनते ही हम सभी के मुंह में पानी आ जाता है, क्योंकि इसका स्वाद लाजवाब होता है। अब मुंबई में ही नहीं बल्कि हर एक राज्य में इसका जादू चल चुका है। वहीं अब दिल्ली वाले भी पाव भाजी को देसी स्टाइल में बनाने लगे हैं। लेकिन आप बहुत ही आसान तरीके से इसको घर पर बनाकर तैयार कर सकती हैं। साथ ही इसको बनाने में ज्यादा सामग्री भी नहीं लगती है। जो भी सामग्री इसमें इस्तेमाल होती है, वह आसानी से आपके किचन में मिल जाएगी।

बता दें कि चीज मसाला पाव को सादे पाव से बनाया जाता है। इसमे स्वाद का तड़का लगाने के लिए आप बटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चीज मसाला पाव की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

### सामग्री

पाव– 4
टमाटर– 3
प्याज– 2
लाल मिर्च पाउडर– 1
हल्दी पाउडर– आधा छोटा चम्मच
पाव भाजी मसाला– 1 चम्मच
शिमला मिर्च– 1
चीज– आधा कप
धनिया पाउडर– 1 चम्मच
नमक– स्वादानुसार
तेल– 3 चम्मच
बटर– 2 चम्मच
हरा धनिया– 2 चम्मच
चाट मसाला– आधा छोटा चम्मच

### ऐसे बनाएं चीज मसाला पाव

ऊपर बताई गई सामग्रियों को तैयार कर लें और फिर पाव को बीच से काट दें। वहीं आलू, शिमाल मिर्च या बाकी का सामान भी तैयार कर लें। इसके बाद आलू को उबालने के लिए रख दें और एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रख दें। तेल गर्म हो जाए तो आलू को डालकर मिलाएं।

अब इसमें सारे मसाले जैसे लाल मिर्च पाउडर, नमक और धनिया पाउडर आदि डालें। इन सभी मसालों को तब तक पकाएं, जब तक कि तेल ऊपर न तैरने लगे।

फिर इसमें प्याज, शिमला मिर्च और टमाटर डालें और लगातार चलाते हुए पकाएं और बाकी का सामान भी डाल दें।

जब सब्जी अच्छे से पक जाए, तो गैस बंद करके एक प्लेट में सब्जी निकाल लें। अब उसी तवे पर कटे हुए पाव को बटर डालकर सेंक लें।

सब्जी और पाव को पूरी तरह से लेयर के साथ पका लें। ऊपर से चीज और चाट मसाला डालें। फिर हरे धनिए से गॉर्निश करके गरमा–गरम चटनी के साथ सर्व करें।

# बच्चों को पसंद आएंगे ये हेल्दी बेक्ड ओटमील मफिन्स, बिना ओवन के घर पर आसानी से बनाएं

अक्सर लोग सोचते हैं कि मफिन्स बनाने के लिए ओवन जरूरी है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। अगर आपके पास ओवन या माइक्रोवेव नहीं है, तो भी आप आसानी से गैस या कढ़ाही में इन्हें बना सकते हैं। इस रेसिपी में हम आपको आसान तरीका बताएंगे जिससे आप बिना ओवन, बिना अंडा और बिना मैदा के स्वादिष्ट बेक्ड ओटमील मफिन्स तैयार कर पाएंगे।

अगर आप बच्चों के लिए कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो स्वाद में भी शानदार हो और सेहतमंद भी, तो ओटमील मफिन्स एक बेहतरीन विकल्प हैं। ओट्स, दूध, फलों और हल्की मिठास से तैयार ये मफिन्स न सिर्फ टेस्टी होते हैं बल्कि बच्चों के टिफिन या शाम के हल्के नाश्ते के लिए भी एकदम परफेक्ट हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि ये मफिन्स बिना मैदे, बिना अंडे और बिना ज़रूरत से ज़्यादा शक्कर के बनते हैं।

ये 10 समस्याएं केवल चौड़े कूल्हे वाली लड़कियां ही समझ सकती हैं

अक्सर लोग सोचते हैं कि मफिन्स बनाने के लिए ओवन जरूरी है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। अगर आपके पास ओवन या माइक्रोवेव नहीं है, तो भी आप आसानी से गैस या कढ़ाही में इन्हें बना सकते हैं। इस रेसिपी में हम आपको आसान तरीका बताएंगे जिससे आप बिना ओवन, बिना अंडा और बिना मैदा के स्वादिष्ट बेक्ड ओटमील मफिन्स तैयार कर पाएंगे, वो भी सिर्फ कुछ ही मिनटों में।

सामग्री (लगभग 6–8 मफिन्स के लिए है)

ओट्स – 1 कप (पिसे हुए या रोल्ड ओट्स)
पके हुए केले – 2 (मैश किए हुए)
दूध – ड्ड कप
शहद या गुड़ – 2–3 टेबलस्पून (स्वाद अनुसार)
बेकिंग पाउडर – 1 टीस्पून
दालचीनी पाउडर – द टीस्पून (वैकल्पिक)
वनीला एसेंस – ड्ड टीस्पून
कटे हुए मेवे या चॉकलेट चिप्स – 2 टेबलस्पून (ऑप्शनल)
एक चुटकी नमक
बनाने की विधि

1. मिक्सचर तैयार करें : एक बाउल में पके हुए केले को अच्छी तरह मैश करें। अब इसमें दूध, शहद/गुड़ और वनीला एसेंस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसमें पिसे हुए ओट्स, बेकिंग पाउडर, दालचीनी पाउडर, नमक और ड्राई फ्रूट्स मिलाएं। सबको अच्छी तरह मिलाकर 5–10 मिनट के लिए ढककर रख दें ताकि ओट्स फूल जाएं।

2. कढ़ाही या भारी तले वाले बर्तन को तैयार करें : एक गहरी कढ़ाही लें और उसमें नीचे थोड़ा सा नमक या रेत बिछाएं (ताकि ताप समान रूप से फैले)। उसमें एक स्टैंड या रिंग रख दें और ढक्कन से ढककर 10 मिनट प्रीहीट करें (मध्यम आंच पर)।

3. मोल्ड्स में बैटर डालें : मफिन मोल्ड्स या छोटे स्टील कटोरियों को घी से हल्का ग्रीस करें। उसमें तैयार मफिन बैटर ङ तक भरें।

4. मफिन्स पकाएं : कटोरियों को स्टैंड पर रखें, ढक्कन अच्छी तरह बंद करें और धीमी आंच पर 20–25 मिनट तक पकाएं। बीच में एक टूथपिक डालकर देखें अगर साफ निकलता है तो मफिन्स तैयार हैं।

5. ठंडा करें और सर्व करें : मफिन्स को ठंडा करें, फिर सुबह के नाश्ते, शाम के स्नैक या टिफिन में बच्चों को सर्व करें।

## दादा की बायोपिक के लिए राजकुमार राव हुए फाइनल

भारतीय क्रिकेट के 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' कहे जाने वाले सौरव गांगुली का आज यानी 8 जुलाई को जन्मदिन है। उनका जन्म 1972 में कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ था। भारतीय क्रिकेट को नई आक्रामकता देने वाले गांगुली न सिर्फ शानदार बल्लेबाज रहे हैं, बल्कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट को नेतृत्व के उस मुकाम पर पहुंचाया, जहां से टीम इंडिया ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अब, दादा के चाहने वालों के लिए एक और बड़ी खुशखबरी है। लंबे समय से अटकी पड़ी सौरव गांगुली की बायोपिक को लेकर अब तस्वीर साफ हो गई है। नायक के किरदार को लेकर चली आ रही अटकलों पर अब खुद गांगुली ने विराम लगा दिया है। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सौरव गांगुली ने पुष्टि की कि उनकी बायोपिक में राजकुमार राव मुख्य भूमिका निभाएंगे।

### राजकुमार राव निभाएंगे सौरव गांगुली का किरदार

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव का नाम अब सौरव गांगुली की बायोपिक के लिए लगभग फाइनल हो चुका है। खुद दादा ने ही राजकुमार राव के नाम का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि फिलहाल राजकुमार के पास डेट्स ना होने के चलते फिल्म अगले साल तक ही स्क्रीन पर रिलीज हो सकेगी। गांगुली ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, मेरे हिसाब से राजकुमार राव मेरी भूमिका निभाएंगे... लेकिन डेट्स की दिक्कतें हैं, इसलिए फिल्म को रिलीज होने में एक साल से ज्यादा लग सकता है।

### अब तक किन-किन एक्टर्स के आए नाम?

आपको बता दें सौरव गांगुली की बायोपिक फिल्म के लिए रणबीर कपूर और आयुष्मान खुराना जैसे स्टार्स के नाम चर्चा में थे, लेकिन फाइनल चयन राजकुमार राव का हुआ। रणबीर कपूर के पास डेट्स नहीं थीं और आयुष्मान खुराना भी किसी वजह से फिल्म नहीं कर सकते। अब राजकुमार राव अब क्रिकेट की पिच पर बल्ला नहीं, लेकिन अभिनय का कमाल दिखाएंगे। गौरतलब है कि कपिल देव की 83 और एम एस धोनी की बायोपिक फिल्म के बाद सौरव गांगुली तीसरे ऐसे भारतीय क्रिकेटर हैं जिनकी बायोपिक बनने जा रही हैं।

### विक्रमादित्य मोटवानी करेंगे निर्देशन

इस बायोपिक का निर्देशन करेंगे विक्रमादित्य मोटवानी और स्क्रिप्ट लिख रहे हैं अभय कोराणे। फिल्म की शुरुआती तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने सौरव गांगुली से कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में मुलाकात भी की है।

## सबके लिए लग्जरी नियम नहीं होते, हेल्दी लाइफ के लिए काम के घंटे तय होने चाहिए

ज्यादातर स्टार किड्स को उनके माता-पिता के नाम से जाना जाता है, लेकिन श्रिया पिलगांवकर ने इंडस्ट्री में अपनी जगह खुद बनाई है। हालांकि उनके माता-पिता सचिन पिलगांवकर और सुप्रिया पिलगांवकर इंडस्ट्री में बड़ा नाम हैं, लेकिन श्रेया ने कभी इसे सफलता की गारंटी नहीं माना।

**आप ज्यादातर थ्रिलर जॉनर के प्रोजेक्ट्स में काम करती आई हैं, क्या आपको थ्रिलर जॉनर ही पसंद है या इंडस्ट्री में आपको ऐसे ही ऑफर मिलते रहे हैं?**

श्रिया पिलगांवकर बोलीं- दरअसल, मुझे रोमांटिक लव स्टोरीज से बहुत प्यार है, लेकिन बतौर एक्ट्रेस मुझे ज्यादातर थ्रिलर ऑफर हुई हैं, तो मैं क्या करूं। मैं बहुत चाहती हूं कि रोम-कॉम करूं, लव स्टोरीज करूं, मैं कुछ कॉमेडी करना चाहती हूं, पर उसे करने का ज्यादा मौका मिला नहीं है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री का एक दौर होता है, जब किसी जॉनर को ज्यादा महत्व दिया जाता है, तो मुझे लगता है कि रोम-कॉम, कॉमेडी से ज्यादा अभी थ्रिलर, ड्रामा अधिक बन रहे हैं। लेकिन मैं खुश हूं कि मुझे जिस तरह अलग-अलग किरदार करने का मौका मिला है, चाहे वो वकील का हो, सेक्स वर्कर को हो या फिर पुलिस अधिकारी का हो, उससे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है।

**आपने जितने भी किरदार किए हैं, उसमें एक मजबूत महिला रही हैं। निजी जिंदगी में आप कितनी मजबूत हैं?**

कुछ दिन होते हैं, जब मैं बहुत मजबूत महसूस करती हूं, कुछ दिन होते हैं जब मैं स्ट्रॉन्ग महसूस नहीं करती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि ताकत उसी में है कि आप अपनी कमियां और ताकत दोनों को अपनाएं। बिल्कुल मेरी एक इमोशनल स्ट्रेंथ है, जहां मुझे लगता है कि मैं मजबूत हूं और मुझमें आत्मविश्वास है। लेकिन हर इंसान हमेशा ऐसा नहीं हो पाता। बतौर एक्टर मुझे लगता है कि हम कभी-कभी एक शब्द से ही किरदार को डिफाइन कर देते हैं, जबकि उन किरदारों में और भी बहुत कुछ होता है, जिसे एक शब्द से परिभाषित नहीं किया जा सकता।

**आजकल फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के घंटे कितने हों इसकी काफी बात हो रही है। दीपिका पादुकोण की वजह से ये मुद्दा अभी उठा है लेकिन पहले भी इस पर बात होती रही है। आपका इस बारे में क्या सोचना है?**

दरअसल, दीपिका वाले मामले में जिस वजह से वो कहा गया था, वो एकदम अलग मामला है। मुझे लगता है कि हमारे यहां पर काम के घंटे को लेकर बने नियम उतने सख्ती से फॉलो नहीं किए जाते, जितने किए जाने चाहिए। मैं अभी तक उस मुकाम पर नहीं पहुंची हूं, जहां मैं कह सकूं कि मैं इतने घंटे काम करूंगी या इतने घंटे नहीं करूंगी। लेकिन इतना मैं समझती हूं कि खासतौर पर पोस्ट डिलिवरी और मां होने पर उन पलों को जीने के लिए ये जरूरी है कि आप उतना वक्त निकालें। यहां सही वाला जवाब नहीं है, लेकिन हेल्दी और प्रोफेशनल लाइफ में एक समय सीमा तय होना जरूरी है। हमारी इंडस्ट्री में इसको लेकर कोई नियम कायदे नहीं हैं और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ हो भी पाएगा। आप किस स्तर के स्टार हैं, ये उस चीज पर निर्भर करता है। सबके लिए लग्जरी नियम नहीं होते। मुझे लगता है कि दीपिका पादुकोण ने जो कहा है वो गलत नहीं है। उनकी जिंदगी में क्या स्थिति और जरूरत है, उनकी बेटी हुई है, उसके हिसाब से ये ठीक है।

### आपकी वेब सीरीज छल कपट के बारे में बताएं?

ये एक मर्डर मिस्ट्री जॉनर की वेब सीरीज है। मैं निजी तौर पर बचपन से ही इस जॉनर को काफी पसंद करती हूं। मैं पहली बार एक पुलिस अधिकारी का रोल अदा कर रही हूं। और जब आप वो वर्दी पहनते हैं, तो एक अलग तरह की जिम्मेदारी का अहसास होता है, आपको एक शक्ति फील होती है। मुझे इसे करने में बहुत मजा आया क्योंकि ये जो कहानी है, इसमें दिखाया गया है कि शादी के घर में मर्डर हुआ है, उसमें दोस्तों की भी कहानी है, उनके बीच तनाव की भी कहानी है, और उसी समय में मेरी देविका राठौड़ की कहानी भी दिखती है।

## आंखों की गुस्ताखियां में इंटीमेट सीन को लेकर विक्रांत-शनाया का खुलासा

शनाया कपूर और विक्रांत मैसी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में एक साथ नजर आने वाले हैं। इस रोमांटिक ड्रामा में शनाया एक थिएटर कलाकार और विक्रांत एक दृष्टिहीन संगीतकार की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर में दोनों के बीच गहरा भावनात्मक जुड़ाव दिखाया गया है, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा है। वहीं फिल्म में इंटीमेट सीन को लेकर दोनों ने बातचीत की।

### आपसी विश्वास जरूरी

फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत के दौरान शनाया और विक्रांत ने बताया इंटीमेट सीन की शूटिंग के लिए आपसी विश्वास बहुत जरूरी था। विक्रांत ने कहा कि एक्टिंग वर्कशॉप और ब्लाइंड स्कूल के अनुभवों के अलावा, एक-दूसरे को व्यक्तिगत रूप से समझने से उनकी केमिस्ट्री बेहतर हुई। शनाया ने भी कहा कि उनका ऑफ-स्क्रीन रिश्ता ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग के लिए महत्वपूर्ण था। विक्रांत ने आगे बताया कि दोनों का एक जैसा नजरिया और कला के प्रति जुनून ने उन्हें करीब लाया। चूंकि दृश्यों में आंखों पर पट्टी बंधी थी, इसलिए एक-दूसरे पर भरोसा करना जरूरी था।

### फिल्म कब होगी रिलीज

फिल्म आंखों की गुस्ताखियां का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होगी। इस फिल्म का मानसी बागला, वरुण बागला और विपिन अग्निहोत्री ने मिलकर निर्माण किया गया है। विक्रांत मैसी पहले भी कई शानदार फिल्मों में नजर आ चुके हैं। शनाया की यह पहली बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। शनाया एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं।

## प्रज्ञा जायसवाल के समर्थन में गौहर खान ने उठाई आवाज

सिनेमाई दुनिया में हम अक्सर देखते हैं कि पैपराजी सितारों के सार्वजनिक पलों को कैद करते हैं। इस बार अभिनेत्री गौहर खान पैप्स पर भड़क गई हैं, क्योंकि उन्होंने एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल पर भद्दे तरीके से कमेंट्स किए थे। इसी मामले पर गौहर खान ने प्रज्ञा का समर्थन किया है। चलिए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा। अभिनेत्री गौहर खान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल को पैप्स द्वारा भद्दे कमेंटस मिले। इसी वीडियो को लेकर अब गौहर खान ने एक्ट्रेस का समर्थन करते हुए स्टोरी के कैप्शन में लिखा, 'क्या पैप्स छेड़छाड़ की संस्कृति को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं? ऐसे बहुत से लोग हैं जो लगातार अभद्र टिप्पणियां करते रहते हैं। आप लोग सीमाएं पार नहीं कर सकते हैं।'

### क्या है पूरा मामला?

आपको बताते चलें कि प्रज्ञा जायसवाल बीते दिनों जायद खान के जन्मदिन में शामिल होने पहुंची थीं, जिसमें उन्होंने ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहन रखी थी। पैपराजी से फोटोज क्लिक कराने के बाद जैसी ही वो वापस जाने लगीं, तो पैप्स उन्हें अभद्र तरीके से बुलाते हैं। इस वजह से एक्ट्रेस गुस्सा भी हो जाती हैं। वीडियो ने सभी को हैरान कर दिया।

## साइको सइयां का मेरे करियर में बड़ा योगदान

सिंगर ध्वनि भानुशाली के सॉन्ग 'साइको सइयां' को रिलीज हुए छह साल पूरे हो चुके हैं। ध्वनि ने 'साहो' के गाने से जुड़ी अपनी यादें ताजी की और बताया कि यह उनके करियर में खास महत्व रखता है। ध्वनि भानुशाली ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने खास तरीके से प्रैक्टिस की थी और तेलुगू, तमिल के साथ मलयालम में हर शब्द को सावधानी से उच्चारण करना सीखा। ध्वनि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'साइको सइयां' पर डांस करती नजर आईं।

यह गाना साल 2019 में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'साहो' का है, जिसमें प्रभास, श्रद्धा कपूर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ, अरुण विजय और नील नितिन मुकेश जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुजीत ने किया था। ध्वनि ने कैप्शन में लिखा, आज 'साइको सइयां' सॉन्ग के छह साल पूरे हो चुके हैं। मुझे आज भी याद है, जब यह सब शुरू हुआ था। मैंने 'वास्ते' गाना रिलीज किया था और गोवा में दोस्तों के साथ थी, तभी मुझे फोन आया कि 'साइको सइयां' को तीन और भाषाओं, तेलुगू, तमिल और मलयालम में गाना है।

उन्होंने बताया कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी नर्वस भी थीं, लेकिन उनकी टीम ने उनका हौसला बढ़ाया। इस गाने के लिए ध्वनि ने संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ काम किया और हर भाषा में शब्दों का सही उच्चारण सीखा। शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात प्रभास और श्रद्धा कपूर से हुई। ध्वनि ने बताया, कई लोगों ने मुझसे कहा कि मेरी आवाज श्रद्धा के लिए एकदम सही थी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। ध्वनि ने इस गाने को करियर का पहला बड़ा कदम बताया, जिसने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और प्रशंसकों के करीब लाया। उन्होंने गायक सचेत टंडन के साथ मिलकर बनाए इस गाने को प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, जब मैं अपने शोज में या सोशल मीडिया पर फैंस को इस गाने पर गाते-नाचते देखती हूं, तो मुझे संगीत की ताकत का एहसास होता है।

## थिएटर अब पॉपकॉर्न बेचने का अड्डा, आज सिनेमा सिर्फ ट्रेंड पर चल रहा है

**फिल्ममेकर नागेश कुकुनूर एक सच्ची घटना पर आधारित वेब सीरीज 'द हंट - द राजीव गांधी असैसिनेशन केस' लेकर आए हैं। यह सीरीज अनिरुद्ध मित्रा की किताब 'नाइंटी डेज- द ट्रू स्टोरी ऑफ द हंट फॉर राजीव गांधी असैसिन्स' पर आधारित है। अमर उजाला से बातचीत में नागेश कुकुनूर ने इस वेब सीरीज को लेकर और सिनेमाघरों में दम तोड़ती कहानियों व ओटीटी को लेकर विस्तार से बात की।**

**जब आपको ये सीरीज ऑफर हुई, जो एक बड़े राजनीतिक मर्डर केस पर है, क्या डर या हिचक थी?**

बिलकुल थी। मैंने साफ कहा था कि कुछ भी राजनीतिक नहीं करना है। लेकिन फिर समझ आया कि ये एक थ्रिलर है, एक पुलिस इन्वेस्टिगेशन ड्रामा। इसमें कोई बयानबाजी नहीं है, कोई एजेंडा नहीं है। सिर्फ दो पक्ष हैं एसआईटी और एलटीटीई। कहानी इन दोनों की नजर से ही कही गई है।

**इतनी संवेदनशील, सच्ची घटना पर काम करते वक्त सबसे बड़ी चुनौती क्या थी?**

सबसे बड़ी चुनौती थी, सच्चाई के साथ न्याय करते हुए कहानी को ड्रामैटिक भी बनाना। रिपोर्टिंग में जो लिखा होता है, वो थर्ड पर्सन में होता है। पर स्क्रीन पर हमें असली लोगों के मुंह से वो बातें कहलवानी होती हैं, जो उन्होंने शायद कभी नहीं कही हों, पर कह सकते थे। इसके लिए रिसर्च, सहानुभूति और जिम्मेदारी चाहिए।

**आपकी फिल्मों में गहराई होती है, लेकिन वो ग्लैमर या मसाला नहीं होता। ऐसा क्यों?**

क्योंकि मसाला मेरी समझ में नहीं आता। बड़े सेट, आइटम सॉन्ग, एक्शन सीक्वेंस, मेरे लिए ये सब बाहर से थोपा गया लगता है। मैं किरदारों की दुनिया में जीता हूं। मुझे मजा आता है एक्टर के चेहरे पर काम करने में। क्लोज-अप्स में उनकी आंखों में जो कुछ भी छिपा होता है, उसे पकड़ना मेरा क्राफ्ट है। मैंने खुद एक्टिंग सीखी है, इसलिए जानता हूं कि एक्टर किन चीजों से असहज हो सकता है या किन हालातों में वो अपना बेस्ट देगा।

**क्या ओटीटी इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स के लिए नई उम्मीद है?**

बिलकुल। ओटीटी ने हमें वो आजादी दी है, जो कभी थिएटर या डिस्ट्रीब्यूशन से नहीं मिली। यहां आपका कंटेंट ही आपकी ताकत है। यहां किसी की शक्ल या स्टारडम पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। सबसे बड़ी बात ये है कि एक बार फिल्म या सीरीज पूरी हो गई, तो आप अगली चीज पर ध्यान दे सकते हैं। यहां रिलीज या प्रमोशन की राजनीति नहीं है।

**क्या आज सिनेमा सिर्फ ट्रेंड के हिसाब से बन रहा है?**

बिलकुल। जो चल रहा है, सब वहीं दौड़ रहे हैं। आज नेशनलिस्टिक फिल्में हिट हैं तो हर कोई वही बना रहा है। क्रिएटिविटी और कमाई के बीच बैलेंस खत्म हो गया है। एक सिंपल कॉमेडी भी 100 करोड़ रूपए में बनती है, जो 20 करोड़ रूपए में बन सकती थी, क्योंकि स्टार चाहिए, चेहरा चाहिए।

**क्या अब दमदार लेकिन छोटी फिल्में बनाना नामुमकिन होता जा रहा है?**

कठिन है और ये कोई नई बात नहीं है। हम जैसे इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स पिछले 15 साल से यही कहते आ रहे हैं कि एक दिन ऐसा आएगा जब सिर्फ बड़ी, दिखावटी फिल्में ही बचेंगी। छोटी फिल्में आज भी बनती हैं, लेकिन उन तक ऑडियंस पहुंच ही नहीं पाती। मेरी दो फिल्में बनकर रह गईं, रिलीज नहीं हो पाईं। इसलिए जब तक ओटीटी है, वहीं से कहानियां कहता रहूंगा। कम से कम कहानी तो जिंदा रहेगी।

### शिक्षा माफिया है श्री राम शिक्षण समूह का प्रबंधन !

# कैलिफोर्निया, अमेरिका में रहने वाली स्वाती यादव

## श्री राम इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी जबलपुर के इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग मे है एसोसिएट प्रोफेसर !

## आरजीपीवी की साइट के अनुसार 16 सितंबर 2013 से जॉब कर रही हैं स्वाती यादव

### 23 दिसंबर 2018 को फेसबुक प्रोफाइल की अपडेट विधि विशेषज्ञ कह रहे, फजीर्वाड़े का दर्ज हो मामला

**त्रिपुरी टाइम्स की टीम कर रही जांच**

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्री राम है तो सब कुछ संभव है, श्री राम का नाम लेकर लोगों के पाप कट जाते हैं, लोगों के जीवन तर जाते हैं। लेकिन आज के परिवेश में श्री राम का नाम लेकर लूटने का खेल बहुत जोर जोर से चल रहा है। हम बात कर रहे हैं श्री राम शिक्षण समूह की। इनके द्वारा संचालित 10 कॉलेजों में फर्जी फैकल्टी का खेल जोर-शर से चल रहा है। जब विद्यार्थियों को फर्जी फैकल्टी का पता चला तो वे हतप्रभ हो गए। श्री राम शिक्षा समूह में चल रहे फजीर्वाड़े का खुलासा त्रिपुरी टाइम्स ने विगत 8 एपिसोड में किया है। इन्होंने तो शहर, प्रदेश और देश छोड़िए, अमेरिका में भी रहने वाले लोगों के नाम अपनी साइड में अपलोड कर रखे हैं। गौरतलब है कि श्री राम शिक्षण समूह के द्वारा संचालित सभी 10 कॉलेजों की फैकल्टी की जांच टीम त्रिपुरी टाइम्स कर रही है। 26 जून 2025 को आरजीपीवी की साईट की जानकारी के अनुसार उनके सभी कॉलेजों में बहुत बड़ा फैकल्टी का फजीर्वाड़ा सामने आया है। फर्जी फैकल्टी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे प्रतिदिन फजीर्वाड़े के नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं।

### 2013 से जॉब पर है !

आरजीपीवी की साइट में श्री राम इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी जबलपुर में कंप्यूटर साइंस विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में स्वती यादव का नाम दर्ज है। साइट के अनुसार स्वाती 16 सितंबर 2013 से जॉब कर रही हैं। जबकि स्वती यादव कैलिफोर्निया, अमेरिका में रहती हैं।

### कैलिफोर्निया की फोटो की अपलोड

त्रिपुरी टाइम्स श्री राम शिक्षण समूह के द्वारा संचालित कॉलेजों में फर्जी फैकेल्टी की डिटेल्स का अध्ययन बहुत ही बारीकी से कर रही है। दिनों दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। स्वाती यादव ने अपनी फेसबुक प्रोफाइल में 23 दिसंबर 2018 को केलिफोर्निया कॉलेज आफ कम्युनिकेशन के बोर्ड के साथ अपनी फोटो शेयर की है। अब कॉलेज में दर्शित फैकल्टी फर्जी है या स्वाती यादव की फेसबुक प्रोफाइल यह जांच का विषय है।

### विद्यार्थियों को कौन पढ़ा रहा है ?

शिक्षा जगत और आम जन में श्री राम शिक्षण समूह द्वारा संचालित कॉलेज में फर्जी एकेडमी का मामला इस समय चर्चा में है और लोग कह रहे हैं कि श्री राम शिक्षण समूह का प्रबंधन शिक्षा देने के नाम पर शिक्षा माफिया दिख रहा है। त्रिपुरी टाइम्स की टीम जांच कर रही है। जिसका खुलासा आगामी अंकों में किया जाएगा। अब लोग कह रहे हैं कि जब फैकल्टी के नाम ही फर्जी है तो विद्यार्थियों को पढ़ा कौन रहा है ?

### फजीर्वाड़ा उजागर

त्रिपुरी टाइम्स पूरी ईमानदारी से तथ्यों के साथ आपके समक्ष फजीर्वाड़े को उजागर कर प्रस्तुत कर रहा है। हम प्रतिदिन जिम्मेदारों के पास कॉलेज में चल रहे फजीर्वाड़े की खबर पहुंचा रहे हैं। संवैधानिक संस्थाएं और सरकार फजीर्वाड़े की जांच करेगी। त्रिपुरी टाइम्स की जांच जारी है। आगे आने वाले एपिसोड में श्री राम शिक्षण समूह द्वारा किए जा रहे फजीर्वाड़े को प्रमुखता से उजागर करेगा। ताजा खबरों के लिए बने रहिए त्रिपुरी टाइम्स के साथ...

### अन्य कॉलेजों की भी हो रही है जांच

आपको बता दें कि त्रिपुरी टाइम्स अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कर रहा है। चाहे समाज में होने वाली घटना हो, किसी भी तरह की हलचल हो या कॉलेज में चल रहे फर्जी बड़ा हो। उन सभी घटनाओं की जानकारी संबंधित जिम्मेदारों तक पहुंचाने का काम त्रिपुरी टाइम्स कर रहा है और अनेक मामलों में पीड़ित पक्ष को राहत भी मिली है। त्रिपुरी टाइम्स की बड़ी टीम शहर में संचालित हो रहे कॉलेज के द्वारा किए जा रहे फजीर्वाड़े की जांच कर रही है। जिसे आने वाले अंकों में प्रकाशित किया जाएगा।

### 10 कॉलेज हो रहे संचालित

श्री राम शिक्षण समूह के द्वारा जबलपुर आईटीआई चुंगी नाका के पास वाले परिसर में ये 10 कॉलेज संचालित हो रहे है : -
श्री राम इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी
श्रीराम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी
श्रीराम ग्रुप का इंस्टीट्यूशंस
श्रीराम ग्रुप का इंस्टीट्यूशंस फामेर्सी
श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी
श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी- फामेर्सी
श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी- डी फार्मा
श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी- टउअ
श्रीराम इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट
श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, जबलपुर

### अपराध खत्म नहीं हुआ, फजीर्वाड़े का दर्ज हो मामला

विधि विशेषज्ञों के अनुसार मामला उजागर होने के बाद साइट अपडेट कर देने से इनका अपराध खत्म नहीं हुआ। कॉलेज की मान्यता तुरंत समाप्त की जाना चाहिए और इन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2), 318(4), 338, 336(4) और 316(5) के तहत मुकदमा दर्ज होना चाहिए। अभी भी इनके एकेडमी में कई फर्जी नाम है जिसका खुलासा आगामी अंकों में होगा। अपडेट रहने के लिए बने रहिए हमारे साथ...

# चाय पीकर रुपए बाद में देना बोलते ही ग्राहक पर उड़ेल दिया खौलता पानी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मोती नगर स्थित चाय की दुकान चलाने वाले दुकानदार ने ग्राहक पर खौलता पानी डालकर बुरी तरह झुलसा दिया। घटना के बाद 108 एंम्बूलेंस घायल को जिला अस्पताल लेकर पहुंची। युवक की हालत नाजुक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक युवक करीब 50% तक झुलस गया है। विवाद की जानकारी मिलने के बाद हनुमानताल पुलिस ने चाय दुकान संचालक के पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अभी फरार है, जिसकी तालाश जारी है। विवाद चाय पीने के बाद रूपए थोड़ी देर बाद देने की बात कहने पर हुआ था। हनुमानताल थाना क्षेत्र के शास्त्री वार्ड स्थित मोती नगर में रहने वाला मोहम्मद आयन रात करीब 1 बजे पड़ोस में स्थित दुकान से चाय लेने के लिए गया था। आयन ने दुकानदार मोहन्नदीन से चाय मांगी, चाय लेने के बाद आयन ने दुकानदार से कहा कि जल्दबाजी वह पर्स और मोबाइल घर में भूल गया है, अभी रूपए लाकर देता हूं। आयन ने पुलिस को बताया कि बताया कि रुपए ना होने की बात सुनकर मोहन्नदीन ने गाली देना शुरू कर दिया, और जब उसे मना किया तो उसने दुकान में रखा खौलता हुआ पानी शरीर में उड़ेल दिया। डॉक्टरों के कहना है कि आयन सीने, पेट और गले में अधिक जल गया है, हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर है।

### घटना सीसीटीवी में कैद

10 रुपए की चाय को लेकर आयन और मोहन्नदीन के बीच काफी देर तक बहस होती रही। बताया जाता है कि अयान चाय पीने के लिए रोज मोहन्नदीन की दुकान पर जाता था, दोनों के बीच हंसी मजाक भी होती थी। मोहन्नदीन ने अचानक ऐसा कदम क्यों उठाया, यह किसी के समझ नहीं आ रहा है। चाय की दुकान में हुई वारदात के बाद एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। मामले की जांच करने पुलिस घटना स्थल पहुंची थी, आरोपी मोहन्नदीन दुकान-घर से गायब है। थाना प्रभारी धीरज राज का कहना है कि मोती नगर चाय को लेकर दो लोगों का आपस में विवाद हुआ था। पीड़ित की शिकायत पर दुकान संचालक पर मामला दर्ज करते हुए उसकी तालाश की जा रही है।

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे आकस्मिक चिकित्सा, सभी विभागों में भर्ती, एम्बुलेंस तथा दवाईयां, पैथोलॉजी तथा एक्सरे
मेडिसिन एवं हृदय रोग, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, आस्थित रोग, नाक-कान-गला, स्त्री एवं प्रस्तुति रोग, बाल रोग, न्यूरो तथा स्पाइन कैंसर, मूत्र रोग विभाग
●पॉईजनिंग●बर्न यूनिट●हॉर्ट अटैक●एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
5 May श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

सुधा
मल्टी स्पेशालिटी हॉस्पिटल एण्ड हाई रिस्क प्रेगनेन्सी सेन्टर
डॉ. सुधा चौबे एम.एस. (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. मयंक चौबे फैमिली फिजीशियन
24 घण्टे भर्ती की सुविधा उपलब्ध
सुविधा
» सुसज्जित गायनिक विभाग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) » मेडिसिन विभाग » प्लास्टिक सर्जरी » न्यूरो सर्जरी विभाग » जनरल सर्जरी विभाग » यूरोलॉजी विभाग » पाईजन यूनिट » आर्थो विभाग एवं ट्रामा यूनिट, नाक, कान, गला (ई.एन.टी) » एक्स-रे, खून, पेशाब की जांच (पैथोलॉजी) सोनोग्राफी डी- फिब्रीलेटर, वेन्टीलेटर- आई.सी.यू. की सुविधा » एम्बुलेन्स सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध है
837, गोल बाजार, जबलपुर, 9111014804
All Cashless Cards Accepted फोन- 07613130822

ACST Tally PYTHON JAVA C, C++ CPCT
प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996
नए बैच प्रारम्भ 40% छूट
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY
प्रवेश प्रारंभ
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल
Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
बस एंव हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्कः- 9303580611, 6263988587,7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शामः4 तक)

# घर के बाहर खड़ी कार ले गए नकाबपोश चोर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

घर के बाहर खड़ी लग्जरी कार को देर रात 2 नकाबपोश चोर चोरी कर ले गए। कार चोरी की घटना समीप लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वाहन मालिक की शिकायत पर शहपुरा पुलिस ने प्राथमिक कार्रवाई करते हुए चोरों की पतासाजी शुरू कर दी है। शहपुरा थाना क्षेत्र के गंज कटंगा निवासी सोमेंद्र सिंह तोमर ने पुलिस को बताया कि रात करीब 11 बजे वह शहपुरा से अपनी कार क्रमांक एमपी 20 सीजे 0995 से घर पहुंचे थे। सुबह भतीजा मोनू उठा, तो उसने देखा कि घर के बाहर खड़ी कार नहीं है। आसपास पतासाती करने पर कार नहीं मिली। घर के समीप लगे सीसीटीवी कैमरे देखा तो रात करीब 2:45 से 3 बजे के आसपास 2 नकाबपोश चोर नकली चॉबी से कार चालू कर चोरी कर ले गए। कार भाई शिवेंद्र सिंह तोमर के नाम पर रजिस्टर्ड है। गंज कटंगा से कार चोरी होने के बाद ग्रामीणों में चर्चा है कि इस समय पूरे क्षेत्र में वाहन सहित कृषि उपकरणों की चोरी बढी है। चोर सूने घरों को भी निशाना बना रहे हैं।

# बस से उतरते ही तस्कर को दबोचा, 10 किलो गांजा जब्त

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

तिलवारा थानाक्षेत्र में बस से उतरने ही गांजा तस्कर को क्राइम ब्रांच की टीम ने दबोच लिया। आरोपी को अग्रिम कार्रवाई के लिए तिलवारा पुलिस के सुपुर्द किया गया है। थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा ने बताया कि बीती रात मुखबिर ने सूचना दी कि नागपुर की ओर से एक युवक बस में बैठकर आ रहा है, जो कि बड़ी मात्रा में गांजा ला रहा है। जिसके बाद क्राइम ब्रांच ने योजनाबद्ध तरीके से तिलवारा मोड़ के पास चेकिंग लगाई और जैसे ही वह बस से उतरा, उसे पकड़ लिया। युवक के बैग की तलाश ली गई तो उसमें से करीब 10 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपी का नाम आलोक साहू है, जो कि गोहलपुर नर्मदा नगर का रहने वाला है। कार्रवाई के दौरान एएसआई प्रशांत सोलंकी, धनंजय सिंह, प्रधान आरक्षक अटल जंघेला, मन्नू सिंह, सत्यसेन यादव, वीरेंद्र सिंह, आरक्षक राजेश मिश्रा, विनय सिंह ,त्रिलोक पारदी,राजेश महात्रे, साइबर सेल के एसआई कपून सिंह मरावी और आरक्षक मनोज सिंह मोजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित ।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com